सुविचार
तुम अपने मिनटों का ध्यान रखो, घंटे अपनी परवाह खुद कर लेंगे।
अर्ल ऑफ चेस्टरफील्ड

दैनिक
रेवांचल टाइम्स
निष्पक्ष, निर्भीक एवं सत्य का प्रवर्तक

Revanchal Times
7509202320
@revanchal_times
revanchaljabalpur@gmail.com
revanchaltimes_

वर्ष 2 ■ अंक 285 ■ जबलपुर, शनिवार 11 अक्टूबर 2025 ■ पृष्ठ 8 ■ मूल्य, 01 रुपये ■ RNI. Reg. No MPHIN/2023/90965

भारत-ब्रिटेन ने 468 मिलियन डॉलर का 'गेमचेंजर' रक्षा समझौता

किया, सेना को मिलेगी नई ताकत

नई दिल्ली। अपने सशस्त्र बलों को मजबूत और आधुनिक बनाने के उद्देश्य से, भारत ने हल्के बहुउद्देशीय मिसाइल सिस्टम खरीदने के लिए यूनाइटेड किंगडम (यूके) के साथ 468 मिलियन अमेरिकी डॉलर के समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मुंबई में अपने ब्रिटिश समकक्ष कीर स्टारमर से मुलाकात के बाद हुआ है। ब्रिटिश रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इस समझौते से न केवल भारत को मदद मिलेगी, बल्कि ब्रिटिश रक्षा उद्योग को उत्तरी द्वीप में 700 से ज्यादा नौकरियाँ पैदा करने में भी मदद मिलेगी। मंत्रालय ने आगे कहा कि यह समझौता ब्रिटेन और भारत के बीच व्यापक जटिल हथियार साझेदारी का मार्ग भी प्रशस्त करेगा।

ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय के बयान में कहा इस अनुबंध के तहत भारतीय सेना को बेलफास्ट में निर्मित ब्रिटेन निर्मित हल्के बहुद्देशीय

मिसाइल (एलएमएम) दिए जाएंगे, जो ब्रिटेन के रक्षा उद्योग के लिए एक और महत्वपूर्ण बढ़ावा होगा और सरकार की बदलाव की योजना को पूरा करेगा। भारत के लिए निर्मित किए जा रहे वायु रक्षा मिसाइल और लांचर वही हैं जो वर्तमान में यूक्रेन के लिए बेलफास्ट में उत्पादित किए जा रहे हैं। हल्के वजन वाली बहुउद्देशीय मिसाइल, जिसे लोकप्रिय रूप से मार्टल नामक एक पौराणिक पक्षी के नाम से जाना जाता है। थेल्स एयर डिफेंस द्वारा विकसित किया गया है। इन मिसाइलों का वजन 13 किलोग्राम है, जबकि इनकी गति ध्वनि की गति से 1.5 गुना ज्यादा है। ये मिसाइलें जमीन और हवा, दोनों जगह, 6 किलोमीटर की दूरी तक अपने लक्ष्य पर वार कर सकती हैं। हालाँकि, इन मिसाइलों का इस्तेमाल आमतौर पर वायु रक्षा अभियानों के लिए किया जाता है।

थेल्स एयर डिफेंस ने इस मिसाइल को विशेष रूप से रॉयल ब्रिटिश नेवी की "भविष्य की हवा से सतह पर मार करने वाले निर्देशित हथियार (हल्के)" की जरूरतों को पूरा करने के लिए डिजाइन किया था। मार्टल, जिसका इस्तेमाल ब्रिटिश सशस्त्र बल 2019 से कर रहे हैं, का इस्तेमाल हाल ही में यूक्रेनी सेना ने रूस के खिलाफ युद्ध में किया था। थेल्स के अनुसार, इस मिसाइल का इस्तेमाल हेलीकॉप्टरों के जरिए भी किया जा सकता है।

बंगाल में मंत्री सुजीत बोस के घर ईडी का दूसरी बार छापा

नगर निगम घोटाले में 11 ठिकानों पर जांच का शिकंजा

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार सुबह नगर निगम भर्ती भ्रष्टाचार मामले की जाँच के सिलसिले में कोलकाता और आसपास के इलाकों में कम से कम 11 जगहों पर व्यापक तलाशी अभियान चलाया, जिसमें अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा मंत्री सुजीत बोस का कार्यालय भी शामिल है।

सुरक्षाकर्मियों के साथ, ईडी की टीमों ने सभी जगहों पर एक साथ छापेमारी शुरू की। मंत्री का कार्यालय साल्ट लेक के सेक्टर 1 स्थित एक इमारत में स्थित है, जहाँ पिछले चार घंटों से तलाशी चल रही है। मंत्री द्वारा संचालित विभिन्न कंपनियों के कार्यालय भी यहीं स्थित हैं। नागेरबाजार इलाके में एक पार्षद के आवास के अलावा शरत बोस रोड और न्यू अलीपुर स्थित परिसरों की भी तलाशी ली जा रही है। उन्होंने कहा कि ईडी के दलों ने सॉल्ट लेक स्थित मंत्री के निवास सह कार्यालय और दक्षिण दम दम नगरपालिका के पूर्व अधिकारियों के आवासों पर छापे मारे।

ईडी के अधिकारी ने ह्यपीटीआई-को बताया, आज की छापेमारी का उद्देश्य भ्रष्टाचार से जुड़े दस्तावेजों को इकट्ठा करना है। मंत्री का कार्यालय मूल रूप से हमारी सूची में नहीं था। केंद्रीय एजेंसी ने इसी मामले में इससे

पहले जनवरी 2024 में बोस के आवास पर छापा मारा था और उनसे 12 घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की थी।सुजीत के दफ्तर के साथ-साथ ईडी दक्षिण दमदम नगर पालिका के उपाध्यक्ष और पार्षद निताई दत्त के घर की भी तलाशी ले रही है। निताई हमेशा से 'सुजीत-करीबी' के रूप में जाने जाते रहे हैं। ईडी के खिलाफ तीखा हमला करते हुए अग्निशमन मंत्री ने भी अपना मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा, "वे निताई के घर भी गए थे। उन्हें कुछ नहीं मिलता। वे उसके बाद आते हैं। उनके यहाँ कोई लोग नहीं हैं। वे लक्षित आधार पर ऐसा कर रहे हैं। उन पर राजनीतिक हमला किया जा रहा है।"

असम में जनसांख्यिकीय बदलाव का संकट

सीएम सरमा बोले- 38% होगी मिया मुस्लिम आबादी

नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने शुक्रवार को कहा कि राज्य जनस-ांख्यिकीय परिवर्तन से गुजरा है और आगामी जनगणना के आंकड़ों से पता चलेगा कि मुस्लिम आबादी बढ़कर 38 प्रतिशत हो गई है, जो 2011 में दर्ज लगभग 34 प्रतिशत से ज्यादा है। उन्होंने डिब्रूगढ़ में मुख्यमंत्री महिला उद्यमिता अभियान (एमएमयूए) कार्यक्रम में भाग लेने के बाद मीडियाकर्मियों से कहा कि जब असम में जनगणना होगी और जनगणना रिपोर्ट प्रकाशित होगी, तो असम में मिया मुस्लिम आबादी बढ़कर 38 प्रतिशत हो जाएगी, मेरे शब्द लिख लीजिए। अगर अनुमान लगाया गया है, तो उनकी (मुस्लिम) आबादी असम की कुल आबादी का 38 प्रतिशत होगी और वे असम का सबसे बड़ा समुदाय बन जाएंगे।

राज्य में मूल निवासियों की सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए, हिमंत बिस्वा सरमा ने बताया कि राज्य सरकार दो महत्वपूर्ण विधेयक लाने वाली है जो लोगों की जाति, माटी और

भेटी (जाति, जमीन और बुनियाद) की रक्षा करेंगे। उन्होंने कहा कि हम इस प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए आगामी असम विधानसभा सत्र में दो महत्वपूर्ण विधेयक लाएँगे। हम जाति, माटी और भेटी की रक्षा के लिए ये दो महत्वपूर्ण विधेयक लाएँगे। अगर हमने पिछले 30 सालों में वही करने की कोशिश की होती जो हमने पिछले 5 सालों में की, तो शायद आज हमें इस संकट से नहीं जूझना पड़ता।

उन्होंने आगे कहा कि अब एक लड़ाई शुरू हो गई है और हमें इसे अपने इच्छित लक्ष्य की ओर ले जाना होगा। हमें अगले 10 वर्षों तक यह लड़ाई जारी रखनी होगी। 2011 की जनगणना रिपोर्ट के अनुसार, असम में मुस्लिम आबादी राज्य की कुल जनसंख्या का 34.22 प्रतिशत थी। इस कार्यक्रम में, मुख्यमंत्री सरमा ने डिब्रूगढ़ में महिला उद्यमियों से मुलाकात की और एमएमयूए सीड फंड के माध्यम से 14,000 से अधिक महिलाओं को लगभग 10,000 रुपये दिए। मुख्यमंत्री सरमा ने पर पोस्ट किया, "डिब्रूगढ़ की हमारी महिला उद्यमियों से मिलिए- जो अपने व्यावसायिक विचारों के प्रति प्रेरित और जुनूनी हैं। आज हमने ?10,000 के एमएमयूए सीड फंड के माध्यम से 14,000 से अधिक महिलाओं को अपने विचारों को सफल उद्यमों में विकसित करने के लिए सशक्त बनाया और यह तो बस शुरूआत है; आगे और भी सहयोग मिलेगा।"

चुनावी बिगुल से पहले राजद का बड़ा दांव

जदयू के पूर्व सांसद संतोष कुशवाहा थामेंगे लालटेन

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव से ठीक पहले, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) को झटका लगा है। पूर्णिया के पूर्व सांसद संतोष कुशवाहा विपक्षी राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) में शामिल होने की तैयारी कर रहे हैं, जो एक बड़े राजनीतिक बदलाव का संकेत है। पूर्णिया से दो बार सांसद रहे कुशवाहा के अलावा बांका से जदयू सांसद गिरधारी यादव के पुत्र चाणक्य प्रकाश रंजन और जहानाबाद के पूर्व सांसद जगदीश शर्मा के पुत्र राहुल शर्मा भी राजद में शामिल होने वाले हैं।पार्टी सूत्रों ने बताया कि आज एक औपचारिक प्रवेश समारोह होगा, जिसमें राजद के वरिष्ठ नेता एक सार्वजनिक कार्यक्रम में नए सदस्यों

का स्वागत करेंगे। कुशवाहा का दलबदल विशेष रूप से उल्लेखनीय है, क्योंकि वे पूर्णिया क्षेत्र में जदयू का एक प्रमुख चेहरा रहे हैं। राजद में उनके शामिल होने से क्षेत्र में पार्टी के वोट शेयर और संगठनात्मक ताकत पर असर पड़ सकता है, खासकर उन समुदायों के बीच जिन्होंने पिछले कार्यकालों में उनका समर्थन किया था।इसके अलावा, चाणक्य प्रकाश और राहुल शर्मा अपने राजनीतिक वंश के कारण महत्वपूर्ण सदस्य हैं। राहुल शर्मा पहले विधायक रह चुके हैं। राजनीतिक विश्लेषक इस कदम को राजद द्वारा अनुभवी नेताओं और प्रमुख निर्वाचन क्षेत्रों में स्थापित स्थानीय प्रभाव वाले नेताओं को शामिल करके अपने कार्यकताओं को मजबूत करने के एक रणनीतिक प्रयास के रूप में देखते हैं। आगामी चुनावों के लिए, जेडीयू ने सीट बंटवारे को अंतिम रूप देने की ज़िम्मेदारी भाजपा को सौंपी है। पार्टी को अन्य सहयोगियों—चिराग पासवान, जीतन राम मांझी और उपेंद्र कुशवाहा—से बातचीत करने का भी काम सौंपा गया है और बताया जा रहा है कि बातचीत सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रही है।

मातमो तूफान से 15 लोगों की मौत, सवा 2 लाख घर जलमग्र

हनोई। वियतनाम में तूफान मातमो के कारण हुई भारी बारिश और बाढ़ में देश के उत्तरी और उत्तर-मध्य में 15 लोगों की मौत हो गयी है और आठ अन्य घायल हो गये। आपदा एवं डाइक प्रबंधन प्राधिकरण ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। प्राधिकरण ने बताया कि 2,25,000 से ज्यादा घर जलमग्न हो गए और 1,500 से ज्यादा घर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गये, जबकि लगभग 24,000 हेक्टेयर चावल और अन्य फसलें जलमग्न हो गईं। लगभग 5,87,000 मवेशी और मुर्गियां मारी गईं या बह गईं। इसके साथ ही तूफान ने परिवहन में भी गंभीर व्यवधान पैदा किया, बाढ़ और भूस्खलन के कारण 27 सडक खंड अवरुद्ध हो गए। एजेंसी के अनुसार, बिजली गुल होने से लगभग 1,81,000 घर प्रभावित हुए, जबकि कई प्रांतों में

दूरसंचार नेटवर्क आंशिक रूप से बाधित रहा। वियतनाम समाचार एजेंसी ने शुक्रवार को बताया कि वियतनाम के प्रधानमंत्री फाम मिन्ह चिन्ह ने गुरुवार को मंत्रालयों और एजेंसियों को तूफान मातमो के बाद की स्थिति से निपटने में स्थानीय अधिकारियों का सक्रिय रूप से समर्थन करने का निर्देश दिया।

कोल्ड्रिफ के बाद अब इंजेक्शन लगाने से 4 साल के बच्चे की मौत

खरगोन। कोल्ड्रिफ का खौफ अभी थमा भी नहीं था कि अब इंजेक्शन लगाने से बच्चे की मौत हो गई है। मध्य प्रदेश के खरगोन जिले में कथित तौर पर एक निजी शिशु चिकित्सक के इंजेक्शन के बाद चार साल के बच्चे की मौत के मामले में पुलिस जांच आरंभ कर दी गई है। जैतापुर पुलिस थाने के प्रभारी सुदर्शन कलोसिया ने बताया कि करीब 4 वर्ष के विहान पंचोले की मौत की जांच आरंभ कर दी गई है। शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। उन्होंने बताया कि ठीकरी निवासी कालू पंचोले के बेटे विहान की तबीयत खराब थी। वह कल उसे खरगोन के शिशु रोग विशेषज्ञ राजेश सयदे के पास लाया था। उसके द्वारा लिखे गये इंजेक्शन को लगाए जाने के बाद उसकी तबीयत बिगड़ गयी। इसके बाद शिशु रोग विशेषज्ञ ने उसे एक अस्पताल में भेजा ,वहां उसे बचाने के प्रयास के दौरान उसकी मौत हो गई। कालू पंचोले ने पत्रकारों को बताया कि विहान को हल्का बुखार था और ठीक नहीं होने के बाद उसने डॉक्टर राजेश सयदे को उसे दिखाया था, जिन्होंने इंजेक्शन लिखा था। उसे लगाने के तत्काल बाद बच्चे के मुंह से झाग आने लगा। डॉक्टर राजेश सयदे ने उसे एक अस्पताल में भेजा लेकिन उसके पूर्व ही उसकी मृत्यु हो चुकी थी।

दिवंगत सिंगर जुबीन गर्ग के दोनों पीएसओ गिरफ्तार

सिलीगुड़ी। असम पुलिस की एसआईटी टीम ने शुक्रवार को दिवंगत गायक जुबीन गर्ग के दो निजी सुरक्षा अधिकारियों (पीएसओ) को गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान नांदेश्वर बोरा और परेश बैश्य के रूप में की गई है। इन दोनों पीएसओ के बैंक खातों में एक करोड़ रुपये से अधिक का लेनदेन पाये जाने पर उन्हें मंगलवार को निलंबित कर दिया गया था। संगीतकार की मौत मामले में वांछित सिंगापुर स्थित एक एनआरआई भी जांचकताओं के सामने पेश हुआ था। लगभग एक दशक पहले प्रतिबंधित उग्रवादी समूह उल्फा की धमकी मिलने के बाद असमिया गायक जुबीन गर्ग की सुरक्षा में दोनों पुलिसकर्मियों को लगाया गया था। पुलिस के मुताबिक जांच में दोनों

पीएसओ के बैंक खातों में संदिग्ध लेने-देन का पता चला। इन दोनों की आय के ज्ञात स्रोतों से कहीं अधिक राशि एक के खाते में 70 लाख और दूसरे में 45 लाख रुपए का पता चला। इस कारण उन्हें निलंबित कर दिया गया और बाद में गिरफ्तार कर लिया गया। दिवंगत गायक, संगीतकार और अभिनेता की असामयिक मौत ने अरुणाचल प्रदेश समते पूरे पूर्वोत्तर को गहरे शोक में डाल दिया है। जुबीन 19 सितंबर को सिंगापुर में समंदर में तैरने के लिये गये थे और इसी दौरान रहस्यमयी स्थितियों में उनकी मौत हो गयी थी। वह श्यामकानु महंत और उनकी कंपनी द्वारा आयोजित पूर्वोत्तर भारत महोत्सव के चौथे आयोजन में शामिल होने के लिये सिंगापुर गए थे।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का सपना चकनाचूर

आयरन लेडी मचाडो को मिला नोबेल शांति पुरस्कार

वाशिंगटन। नोबेल शांति पुरस्कार पाने का अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का सपना चकनाचूर हो गया। नॉर्वेजियन नोबेल समिति ने यह प्रतिष्ठित पुरस्कार वेनेजुएला की मारिया कोरिना मचाडो को प्रदान किया। मचाडो को नेजुएला के लोगों के लोकतांत्रिक अधिकारों को बढ़ावा देने में उनके अथक प्रयास और तानाशाही से लोकतंत्र में न्यायपूर्ण और शांतिपूर्ण संक्रमण के लिए उनके संघर्ष के लिए नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह घोषणा नॉर्वेजियन नोबेल समिति के जॉर्जेन वाटनर फ्राइडनेस ने की है। समिति ने कहा कि मचाडो वेनेजुएला के विपक्ष में

एकजुट करने वाली शख्स हैं। समिति ने कहा कि वेनेजुएला का सत्तावादी शासन राजनीतिक कार्य को अत्यंत कठिन बना देता है। लोकतांत्रिक विकास के लिए समर्पित संगठन, सुमाते की संस्थापक के रूप में, सुश्री मचाडो 20 वर्ष से भी अधिक समय पहले स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों के पक्ष में खड़ी हुई थीं। मचाडो ने अपने देश के विपक्ष को एकजुट किया है। वे वेनेजुएला के समाज के सैन्यीकरण का विरोध करने में कभी पीछे नहीं हटीं। वे लोकतंत्र की ओर शांतिपूर्ण संक्रमण के समर्थन में अडिग रही हैं। ट्रंप शुक्रवार को 2025 के नोबेल शांति पुरस्कार से चूक गए। कई मौकों पर, ट्रंप ने खुद के लिए नोबेल शांति पुरस्कार की वकालत की थी और कहा था कि उन्होंने हाल ही में भारत-पाकिस्तान झड़प सहित कई वैश्विक संघर्षों को सुलझाने में मदद की है।

इजराइल, थाईलैंड, कंबोडिया, अजरबैजान, आर्मेनिया और पाकिस्तान सहित कई देशों ने भी 2025 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए ट्रंप का समर्थन किया है। ट्रंप ने पहले कहा सिर्फ.सात महीनों में, मैंने सात अपूरणीय युद्धों को समाप्त कर दिया है। उन्होंने कहा था कि ये अपूरणीय हैं, कुछ 31 साल से चल रहे थे, और एक 36 साल से। मैंने सात युद्ध समाप्त किए, और सभी मामलों में वे भयंकर रूप से चल रहे थे और अनगिनत हजारों लोग मारे जा रहे थे।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोहगांव में लापरवाही का बोलबाला
वर्षों से बंद पड़ा एक्स-रे रूम, जिम्मेदार अधिकारी मौन

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। मोहगांव मंडला स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर सरकार प्रयास तो कर रही है लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही कहानी बयां करती है। मोहगांव का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इसकी एक ज्वलंत मिसाल बन गया है, जहां लापरवाही, संसाधनों की कमी और प्रशासनिक उदासीनता ने इस केंद्र को बदहाल बना दिया है। वर्षों से बंद पड़ा एक्स-रे रूम इस केंद्र की बदहाली की सबसे बड़ी तस्वीर पेश कर रहे हैं।

एक्स-रे रूम वर्षों से बंद, मरीजों को भुगतनी पड़ रही भारी परेशानी

मोहगांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का एक्स-रे रूम कई सालों से बंद पड़ा हुआ है, जबकि इसकी मशीनें और उपकरण धूल खा रहे हैं। हड्डी टूटने या चोट लगने के मामलों में मरीजों को मजबूरी में मंडला, या जबलपुर जैसे दूरस्थ अस्पतालों में जाना पड़ता है। यह न केवल आर्थिक रूप से बोझ बढ़ाता है, बल्कि गंभीर मरीजों की जान पर भी खतरा बन जाता है। सूत्रों से जानकारी अनुसार एक्स-रे मशीन कई साल पहले यहां स्थापित की गई थी, लेकिन तकनीकी खराबी आने के बाद उसे सुधारने की कभी गंभीर कोशिश नहीं की गई। वहीं स्वास्थ्य केंद्र के कर्मचारी भी स्वीकार करते हैं कि विभाग को कई बार सूचना दी जा चुकी है, परंतु आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई एक ग्रामीण ने बताया, अगर किसी को हड्डी टूट जाती है या कोई दुर्घटना हो जाती है तो हमें मंडला या जबलपुर भागना पड़ता है। एक्स-रे मशीन तो है, लेकिन चालू नहीं है। इतने सालों से हम यही सुनते आ रहे हैं कि जल्द चालू होगी, लेकिन कुछ होता नहीं।

नेत्र चिकित्सक चार महीनों से नदारद

स्वास्थ्य केंद्र में एक और बड़ी समस्या है नेत्र चिकित्सक की अनुपस्थिति। करीब चार महीनों से नेत्र विभाग पूरी तरह ठप पड़ा है। आंखों से संबंधित रोगियों को इलाज के लिए निजी क्लीनिक या जिले के बड़े अस्पतालों में जाना पड़ रहा है।मोहगांव और आसपास के ग्रामीण इलाकों में बुजुर्गों लोगों को आंखों की समस्या अधिक रहती है, लेकिन नेत्र चिकित्सक न होने से उन्हें समय पर इलाज नहीं मिल पाता। कई बार स्थानीय स्वास्थ्य कर्मी केवल सामान्य दवा देकर मरीजों को टाल देते हैं, जबकि वास्तविक इलाज के लिए विशेषज्ञ की जरूरत होती है।

मरीजों की बढ़ती परेशानियाँ

मोहगांव स्वास्थ्य केंद्र के मरीजों को अब यह स्थिति ह्लसामान्यह्व लगने लगी है। जो लोग नियमित इलाज के लिए आते हैं, वे या तो निजी अस्पतालों का सहारा लेते हैं या इलाज अधूरा छोड़ देते हैं। गरीब वर्ग के मरीजों को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ रही है क्योंकि निजी अस्पतालों का खर्च वहन कर पाना उनके लिए संभव नहीं।

ग्रामीणों की नाराजगी और मांग

ग्रामीणों में इस लापरवाही को लेकर भारी नाराजगी है। उनका कहना है कि सरकार स्वास्थ्य सेवाओं पर करोड़ों रुपये खर्च करने का दावा करती है, लेकिन जमीनी स्तर पर इसका कोई असर नहीं दिखता। ग्रामवासियों ने सामूहिक रूप से जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग को ज्ञापन देने की तैयारी की है, जिसमें वे एक्स-रे रूम को तत्काल चालू करने और नेत्र चिकित्सक की तैनाती की मांग करेंगे।

सुधार की उम्मीद या फिर केवल आश्वासन?

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की ओर से अक्सर यही कहा जाता है कि ह्लजल्द व्यवस्था सुधार ली जाएगीह्व, लेकिन पिछले कई वर्षों से यही वादा दोहराया जा रहा है। केंद्र की स्थिति जस की तस बनी हुई है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि अब केवल घोषणाओं से काम नहीं चलेगा, बल्कि ठोस कार्रवाई की जरूरत है। अगर समय रहते व्यवस्था नहीं सुधरी तो यह लापरवाही किसी बड़ी अनहोनी का कारण बन सकती है। ग्रामीणों की मांग है कि जिला प्रशासन तुरंत हस्तक्षेप करे स्वास्थ्य विभाग से जवाब तलब किया जाए और बंद पड़ी सुविधाओं को चालू कराकर चिकित्सकों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए।जब तक प्रशासन जागेगा, तब तक ना जाने कितने मरीजों को और तकलीफें झेलनी पड़ेंगी।

जिम्मेदार अधिकारियों को जानकारी होने के बावजूद कार्रवाई नहीं

सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि इन दोनों गंभीर समस्याओं की जानकारी जिम्मेदार अधिकारियों को पहले से है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित रहते हैं। केंद्र की वास्तविक स्थिति देखने या सुधार करने कोई नहीं आता। इससे यह स्पष्ट है कि निचले स्तर से लेकर उच्च स्तर तक प्रणालीगत लापरवाही ने जन स्वास्थ्य व्यवस्था को प्रभावित कर रखा है।

स्वास्थ्य केंद्र की अन्य समस्याएँ भी उजागर

केवल एक्स-रे रूम और नेत्र विभाग ही नहीं, बल्कि केंद्र के अन्य विभागों की स्थिति भी चिंताजनक बताई जा रही है। रात के समय डॉक्टरों की अनुपस्थिति, , साफ-सफाई में लापरवाही और उपकरणों की खराब स्थिति ने मरीजों का विश्वास पूरी तरह तोड़ दिया है। कुछ लोगों का कहना है कि रात में आपातकालीन सेवाएँ केवल नाममात्र की रह गई हैं। यदि कोई गंभीर मरीज रात को आता है तो उसे तुरंत मंडला रेफर कर दिया जाता है।

शीतलपानी गांव में शिक्षक ने मेहनत से कक्षा में बनाई लाईब्रेरी, लगभग तीन सौ पुस्तकों की उपलब्धता

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। विकासखंड के संकुल केंद्र चांडा के माध्यमिक शाला शीतलपानी में शिक्षकों और बच्चों की जागरूकता के चलते विद्यालय के एक कक्षा को लाईब्रेरी के रूप में बदल दिया गया है। विद्यालय के शिक्षक और बच्चों के प्रयास से यहां लगभग 300 पुस्तकों की उपलब्धता है, जिसमें महापुरुष, स्वतंत्रता सेनानी, चित्रकला, चुटकुले, जनरल नॉलेज, लेखक और कहानीकार की पुस्तकें उपलब्ध है। इसके अलावा विद्यालय में नक्शे के माध्यम से पढाई और भूगोल का भौतिक ज्ञान कराया जा रहा है वहीं दूसरी ओर औषधीय जड़ी-बूटी और ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के जीवनशैली को चित्रकला के माध्यम से बनाकर म्यूजियम भी बनाया है। नेटवर्क और सुविधा विहीन बैगाचक क्षेत्र की यह पाठशाला के शिक्षक श्री मोती लखीरा की लगन और मेहनत अन्य शिक्षकों के लिए प्रेरणा स्रोत हैं।

मानव अधिकार आयोग ने 8 मामलों में लिया संज्ञान मण्डला जिले के तीन प्रकरणों पर मांगी रिपोर्ट

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग, भोपाल के सदस्य डॉ. अवधेश प्रताप सिंह ने विगत दिनों विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित प्रथम दृष्टया मानव अधिकार उल्लंघन के 8 मामलों में संज्ञान लिया है। इनमें से 3 मामले मण्डला जिले से संबंधित हैं। आयोग ने सभी प्रकरणों में संबंधित अधिकारियों से दो सप्ताह में जांच प्रतिवेदन मांगा है। इस संबंध में जानकारी म.प्र. मानव अधिकार आयोग-मित्र, शिकायत प्रकोष्ठ शाखा मण्डला के सावन सिंह ठाकुर ने दी। पहला मामला नेहरू पार्क मण्डला की अव्यवस्था से जुड़ा है, जहां चारों ओर झाड़ियाँ उग आई हैं, एक्यूप्रेशर टाइल्स फिसलनभरी हो चुकी हैं और ओपन जिम के उपकरण व झूले टूटे पड़े हैं। इस गंदगी और लापरवाही से नागरिकों को परेशानी हो रही है। आयोग ने इस पर मुख्य नगरपालिका अधिकारी, मण्डला से जांच रिपोर्ट मांगी है। दूसरा मामला जिला अस्पताल मण्डला से संबंधित है, जहाँ मरीजों को स्वीकृत डाइट नहीं दी जा रही है। रिपोर्ट्स के अनुसार, अस्पताल प्रबंधन की

लापरवाही के चलते मरीजों को पर्याप्त भोजन नहीं मिल पा रहा है। आयोग ने इस पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, मण्डला से जवाब मांगा है। तीसरा मामला बम्हनी बंजर स्थित शासकीय कन्या माध्यमिक विद्यालय का है, जहाँ एक छात्रा कक्षा में बेहोशी की हालत में मिली। छात्रा के सिर पर चोट के निशान और चोटी कटी हुई पाई गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए आयोग ने जिला शिक्षा अधिकारी, मण्डला से जांच कर कार्रवाई की जानकारी दो सप्ताह में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

शराब के अवैध कारोबार से बिगड़ रही कानून व्यवस्था

बस स्टेंड में तनाव की स्थिति, अवैध विक्रय पर लगाई जाए रोक

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। धार्मिक नगरी मंडला के नगर पालिका क्षेत्र नगर और उपनगर में शराब का अवैध कारोबार चरम पर चल रहा है। खुलेआम बस स्टैंड में तो जगह जगह काउंटर लगा कर देशी विदेशी शराब बेची जा रही है है और शाम होती ही बस स्टेंड मय खाने में बदल जाता हैं जहाँ पर आए दिन बाद विवाद होता रहता हैं और कोतवाली पुलिस और आबकारी विभाग ठेकेदारों से गठबंधन से ही, प्रतिबंधित होने के बाद भी गली मोहल्ले से लेकर सार्वजनिक स्थलो पर खुलेआम शराब का अवैध विक्रय किया जा रहा है। लाइसेंसी दुकानदार(सिंडीकेंट)के हाथो कठपुतली बने पुलिस प्रशासन अवैध शराब के कारोबार पर रोक नहीं लगा सकी। इस वजह से मंडला की कानून व्यवस्था बिगड़ गई। गत रात्रि बस स्टेंड में शराब के अवैध विक्रय को लेकर जमकर हंगामा हुआ। यहां सिंडीकेंट के लोगो के साथ रहवासी आमने सामने आ गए है। इससे तनाव की स्थिति बन गई है। आधी रात को बस स्टेंड में सैंकड़ो की संख्या में लोग एकत्रित हो गए। कोतवाली पुलिस के पहुंचने के बाद मामला शांत हुआ।

वही बताया गया है कि मंडला नगरीय क्षेत्र में एक भी शराब की लाईसेंसी दुकाने नहीं है। करीब आठ साल से अधिक समय हो गए है। तत्कालीन शिवराज सरकार ने माँ नर्मदा को जीवन यहां हिरदेनगर अंजनिया बिछिया के लाईसेंसी दुकानदारो के द्वारा शराब के विक्रय के लिए सिंडीकेट बना रखा है। मंडला नगर समेत ग्रामीण क्षेत्रो में शराब के अवैध विक्रय के लिए कई ठिकाने बना लिए गए है। हाइवे के

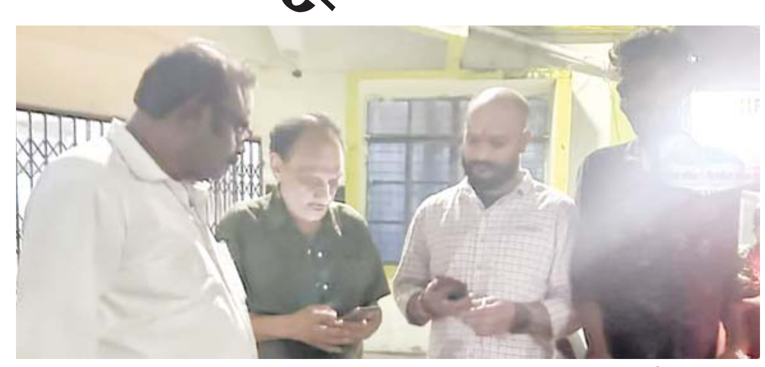

ढाबो के साथ ठिकानो पर वाहनो से शराब की खेप पहुंचाई जाती है। सबसे अधिक शराब बस स्टेंड में खपाई जा रही है। गली मोहल्ले की गुमठी से लेकर लोग घरो से भी शराब का धड़ल्ले से विक्रय कर रहे है। यहां तक पांच मिनिट पर शराब की होम डिलेवरी की व्यवस्था पुलिस प्रशासन की मेहरबानी से हो रही है। शराब का अवैध विक्रय करने का नेटवर्क चलाने के लिए बाहरी यूपी के गुर्गे भी रखे गए है। जो किसी भी तरह की स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहते है। इस वजह से शराब के अवैध विक्रय मंडला में चरम पर पहुंच गया है। अवैध कारोबार के चलते अपराधिक घटनाएं बढ़ रही है। जिससे कानून व्यवस्था बिगड़ रही है।

बस स्टेंड में हुआ विवाद मामला पहुँचा कोतवाली

गत रात्रि को बस स्टेंड में सिंडीकेट के एक कर्मी शराब विक्रय के ठिकाने के पास पान की दुकान से सिगरेट लेकर दुकान के सामने बैठकर सेवन कर रहा था। इस हरकत को लेकर रहवासी ने उसे टोका। इस बात पर बबाल हो गया है। शराब के नशे में विवाद में मारपीट में बदल गया। कुछ ही देर में बड़ी संख्या में शराब से जुड़े लोग व रहवासी आमने सामने हो गए है। काफी देर तक बस स्टेंड में हंगामा होता रहा है। तनाव की स्थिति को देखते हुए पुलिस मौके पर पहुंची। दोनो पक्षो को थाने ले गई।

वाहन से हो सुबह शाम हो रही सप्लाई

बताया गया है कि अवैध शराब सप्लाई करने वालों ने बोलेरो वाहनो से आसानी से कर रहे। ये गुर्गे गलियों मोहल्लों और ढाबो में शराब की होम डिलीवरी पहुंचाते है। यह सब कुछ एक सटीक नेटवर्क के तहत संचालित हो रहा है। जिसमें स्थानीय स्तर पर पुलिस आबकारी विभाग का संरक्षण है। आबकारी विभाग और मंडला पुलिस को पूरे प्रकरण की जानकारी होने के बावजूद कोई एक्शन नहीं लिया जाता है कुछ जगहों पर केवल दिखावटी रेड या जब्ती की कार्रवाई कर ली जाती है , यह कार्रवाई सिर्फ कच्ची शराब और महुआ लाहन जब्त करने तक सीमित है लेकिन शराब का अवैध कारोबार बदस्तूर जारी रहता है।

शराब विक्रय पर लगाई जाए रोक

शराब के अवैध विक्रय से अपराधिक घटनाएं बढ़ रही है। यहां बस स्टेंड में शराब के अवैध को बंद कराने की मांग की गई है। कोतवाली में रहवासियो के द्वारा प्राइवेट बस स्टेंड में लाइन से तीनो दुकानो के नामजद शिकायत की गई। इन दुकानो के अलावा ऐसे कई अवैध ठिकाने है जहां से शराब का खुलेआम विक्रय किया जा रहा है। लोगो का कहना है कि शराब के अ वैध कारोबार लड़ाई झगड़े हो रहे है। यहां तक अपराधिक घटनाएं भी हो रही है। जिससे शांत माहौल वाले मंडला की कानून व्यवस्था बिगड़ रही है। कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक से अवैध कारोबार पर रोक लगाने की मांग की है।

इनका कहना है कि....

पहले मंडला नगर में तीन दुकाने थी जिन्हे बंद कराके शराब की तीन सौ छोटी बड़ी दुकाने अवैध रूप से संचालित है। मिलीभगत से शराब का कारोबार चरम पर पहुंच गया। इससे मंडला की शांति भंग हो गई और कानून व्यवस्था बिगड़ गई है। कई बार जिला प्रशासन को शराब के अवैध कारोबार को बंद कराने की मांग की गई लेकिन कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

डॉ अशोक मर्सकोले,
जिला अध्यक्ष कांग्रेस मंडला

बच्चों को स्वास्थ्य संबंधी मिली जानकारी

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर अंजनिया कॉलेज में कार्यक्रम सम्पन्न

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर शासकीय महाविद्यालय अंजनिया में कार्यालय आयुक्त उच्च शिक्षा मध्यप्रदेश सतपुड़ा भवन भोपाल क्रमांक /3071/811/ आउशि/ अकादमी/2025 के निदेर्शानुसार भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के तत्वावधान मे 10 अक्टूबर विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर एक दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया ' कार्यक्रम आयोजन के दौरान डॉ.राजकुमार सिंगौर द्वारा नियमित शिक्षारत विद्यालीन बच्चों को प्राचीन भारतीय परंपरा में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण अवधारणा पर प्रकाश डालते हुए श्रीमद भगवत गीता में निहित ज्ञान एवं भावना नियंत्रण के संबंध में विचार प्रस्तुत किए गए। इसी तारतम्य में कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुरेंद्र कुमार लिल्हारे के द्वारा अनिद्रा, संतुलित आहार, नियमित व्यायाम,एवं सामाजिक जुड़ाव के साथ मानसिक स्वास्थ्य के उपचारों के संबंध में अपने विचार प्रस्तुत किए गए। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के इस कार्यक्रम के शुभ अवसर पर शासकीय कॉलेज के स्टाफ के साथ समस्त विद्यार्थियों का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ।

अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ का राष्ट्रीय अधिवेशन जयपुर में संपन्न

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। जिले के अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ का तीन दिवसीय 9 वाँ राष्ट्रीय अधिवेशन जयपुर में सम्पन्न हुआ।इस कार्यक्रम में मंडला से मध्यप्रदेश शिक्षक संघ के संगठन मंत्री योगेश चौरसिया , वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजीव वर्मा सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों एवं संभाग के पदाधिकारी ने भाग लिया। प्रथम दिवस कार्यक्रम की शुरूआत राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, राष्ट्रीय स्वय सेवक संघ के अखिल भारतीय सदस्य श्री सुरेश जी सोनी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय बौद्धिक शिक्षण प्रमुख सुरेश भाई मेहता के मुख्य आतीथ्य में हुई। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रोफेसर नारायण लाल गुप्ता, राष्ट्रीय संगठन मंत्री महेन्द्र कपूर, राष्ट्रीय महामंत्री प्रोफेसर गीता भट्ट सहित सभी प्रदेशों के प्रदेश अध्यक्ष, महामंत्री, संगठन मंत्री प्रांतीय पदाधिकारी, भारत वर्ष के जिलों के संगठन मंत्री, अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष, संभागीय अध्यक्ष, सचिवों ने भाग लिआ। मध्यप्रदेश शिक्षक संघ जबलपुर के महामंत्री राकेश गुप्ता ने म.प्र.के नवीन शिक्षक संवर्ग एवं गुरूजियों की नियुक्ति दिनाँक से वरिष्ठता, पुरानी पेंशन

बहाली, टी ई टी की अनिवार्यता समाप्त करने, शासकीय सेवकों के दो से अधिक बच्चों के नियम की अनिवार्यता समाप्त करने, सेवानिवृत्ति की आयु 65 वर्ष करने, छात्रों के अनुपात में पद सृजित करने, अनुदान प्राप्त शालाओं के शिक्षकों के वेतन भुगतान हेतू कोषालय में पृथक से व्यवस्था करने हेतू अपनी बात रखी और सभी ने इस पर अपनी सहमति व्यक्त करते हुए ध्वनीमत से प्रस्ताव पारित किया ।कार्यक्रम के विभिन्न सत्रों में जूनापीठाधीश्वर परम पूज्य संतशिरोमणी अवधेशानंद गिरि जी द्वारा गुरू के महत्व पर प्रकाश डालते हुए गुरू रूपी शिक्षक को ब्रह्म का प्रतिनिधि बताते हुए सम्मानित किया ।प्रखर हिन्दुत्व वादी भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता राज्यसभा सांसद सुदांशु त्रिवेदी द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा सीमा से समाज तक विषय पर बौद्धिक दिया गया।

पुलिस की बड़ी कार्यवाही, 72 हजार का 52.8 लीटर शराब स्कूटी सहित जप्त,

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। जिले के थाना कोतमा की पुलिस टीम ने थाना क्षेत्र में अवैध शराब बेचने परिवहन करने एवं अन्य अवैध गतिविधियों का संचालन करने वालों के विरूध्द अभियान चलाकर कार्यवाहियां की जा रही है। इसी क्रम में मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि केशव चौधरी निवासी गोविन्दा गांव कोतमा का शासकीय कांलेज के बगल वाले अपने घर में बड़ी मात्रा में अंगेजी शराब विक्री करने हेतु रखा है। सूचना प्राप्त होने पर तत्काल पुलिस टीम मुखबिर के बतायें हुए स्थान पर विधिवत तरीके से रेड कार्यवाही कर घर के अन्दर से आरोपी केशव चौधरी के कब्जे से अंग्रेजी शराब ब्लेंडर प्राईड के 06 नग बोतल प्रत्येक 750 टछ कुल 4.500 लीटर कीमत 9582 रुपए, अंग्रेजी शराब रायल स्टेज 32 बोतल प्रत्येक 750 टछ कुल 24 लीटर कीमत 33,280. रुपए, अंग्रेजी शराब रायल स्टेड 41 पाव प्रत्येक 180 टछ कुल 7.380 लीटर कीमत 10.660 रुपए ,अंग्रेजी शराब मेकडाउन 45 पाव प्रत्येक 180 टछ कुल 8.100 लीटर कीमत 19045 रुपए, अँग्रेजी शराब आईकोनिक व्हाईट 45 पाव प्रत्येक 180 टछ कुल 8.100 लीटर कीमत 9450 रुपए, एवं शराब परिवहन में उपयोग की गई एक स्कूटी वाहन क्रमांक एमपी 65 एस ए 0558 कीमत करीबन 80 हजार रुपए, एक एण्ड्रायड मोबाईल 8 हजार रुपए, कुल 52.800 लीटर शराब कीमत 72 हजार रुपए कुल मशरूका 1,60017 रुपए का जप्त किया। आरोपी केशव चौधरी पिता बरनू प्रसाद चौध?ी निवासी वार्ड नं. 11 कोतमा से पूछतांछ पर ग्लैडविन वास्टिन पिता आईवा वास्टिन निवासी लहसुई कैम्प कोतमा की उक्त शराब होना बताया, जिसकी पता तलाश कर आरोपी ग्लेडविन वास्टिन को गिरफ्तार किया गया । आरोपी ग्लेडविन ने पूछतांछ पर अवैध शराब कम्पोजिट शराब दुकान धनपुरी जिला शहड़ोल से खरीदकर विक्रय हेतु मंगवाना बताया। आरोपी केशव चौधरी पिता बरनू चौधरी निवासी वार्ड क्र0 11 गोविन्दा गांव, ग्लैडविन वास्टिन पिता आईवा वास्टिन निवासी वार्ड क्र 13 लहसुई कैम्प कोतमा एवं कम्पोजिट शराब दुकान धनपुरी के शराब दुकान, मैनेजर के विरूध्द आबकारी एक्ट की धारा 34(2) के तहत अपराध पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया है। फरार आरोपी कम्पोजिट शराब दुकान धनपुरी के शराब दुकान मैनेजर की पता तलाश कर शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चियत की जावेगी । साथ ही अवैध शराब की सप्लाई करने में धनपुरी शराब दुकान के ठेकेदार की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

नव नियुक्त जिलामंत्री भूपेन्द्र महरा ने मंत्री दिलीप जायसवाल समेत भाजपा के दिग्गज नेताओं से की सौजन्य भेंट, लिया आशीर्वाद

भूपेंद्र महरा बोले सभी वर्ग को साथ लेकर गांव-गांव तक करेंगे संगठन को सशक्त

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनुपपुर। भारतीय जनता पार्टी, अनूपपुर के जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम के द्वारा अपनी जिला कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए जिस तरह से जाति समीकरण बैठते हुए सभी वर्ग को सन्तुष्ट करते हुए कार्य करणी का विस्तार करते हुए कोतमा विधानसभा क्षेत्र के पूर्व मंडल अध्यक्ष बिजुरी भूपेन्द्र महरा को जिला मंत्री बनाया गया तत्काल भूपेंद्र महरा जिला मंत्री का पद संभालते ही शिष्टाचार का परिचय देते हुए जिले के वरिष्ठ भाजपा नेताओं से सौजन्य भेंट कर उनका आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन प्राप्त करने निकल पड़े। संगठन के वरिष्ठ नेताओं से की सौजन्य भेंट- जिलामंत्री भूपेन्द्र महरा ने सबसे पहले भाजपा जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम से मुलाकात की। इसके बाद वे मध्यप्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग मंत्री दिलीप जायसवाल, कोल विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष रामलाल रौतेल, तथा पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष रामदास पुरी सहित जिले के अन्य वरिष्ठ नेताओं के निज निवास पर पहुंचकर उनसे मुलाकात कर आशीर्वाद लिया। एकजुटता और सशक्त संगठन का संकल्प- वरिष्ठ नेताओं ने भूपेन्द्र महरा को उनके नए दायित्व के लिए शुभकामनाएं देते हुए संगठन को मजबूत करने और जनसेवा के लक्ष्य को साधने के लिए मिलकर काम करने का आह्वान किया। जिलामंत्री भूपेन्द्र महरा ने भी अपनी प्रतिबद्धता जताते हुए कहा, मैं पार्टी की विचारधारा और शीर्ष नेतृत्व के मार्गदर्शन में गांव-गांव तक संगठन को सशक्त करने और जनता से जुड़ाव बढ़ाने के लिए समर्पित भाव से कार्य करूंगा। भूपेन्द्र महरा की यह सक्रियता और वरिष्ठ नेताओं से संवाद को भाजपा के संगठनात्मक ढांचे में नई ऊर्जा और मजबूती का संदेश माना जा रहा है।

उत्कल एक्सप्रेस दुर्घटना मामले में 1 इंजीनियर, 4 ट्रैक मेंटेनर, 19 श्रमिक ठेकेदार सहित 25 पर मामला दर्ज

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर जोन में उत्कल एक्सप्रेस दुर्घटना मामले में अब तक रेल प्रबंधन व्दारा कार्य में लापरवाही के लिये जिम्मेदार साइट पर कार्यरत रेलवे के सीनियर सेक्शन इंजीनियर सहित चार ट्रैक मेंटेनर के विरूद्ध प्राथमिकी दर्ज करते हुए फिलहाल मुचालका जमानत पर रिहा कर दिया गया है । साथ ही ट्रैक में कार्यरत ठेकेदार आर ए राय समेत एक सुपर वाइजर और 18 श्रमिकों के विरूद्ध रेलवे थाना शहडोल में अपराध क्र 153 धारा 174 सी रेलवे एक्ट के तहत पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया है। ज्ञात हो की वर्तमान परिवेश में रेलवे में जिस तरह की कार्य पद्धति फल -फूल रही है उसमें दुर्घटनाओं का निमंत्रण होना तय है। रेलवे द्वारा ट्रैक के अनुरक्षण हेतु जो टेंडर /अनुबंध किए जाते है । उसमें स्पष्ट रूप से संरक्षा को प्रथम प्राथमिकता देते हुए कार्य को संपादित करना है। लेकिन ठेकदारों एवं उच्च अधिकारियों की मिली भगत से ठेकेदारों को खुली छूट दे दी जाती है। ठेकदार द्वारा नियमों एवं संरक्षा को ताक पर रखकर कार्य कर रहे है। वर्क साइट पर कॉन्ट्रैक्टर को अनुबंध के तहत डिप्लोमा /डिग्री इंजिनियर रखने का प्रावधान है जो किसी भी वर्क साइट पर नहीं रखा जाता है सिर्फ कागजों तक सीमित है। अप्रशिक्षित लेबरो को ट्रैक के कार्य में लगाया जाता है। परिणाम स्वरूप उक्त दुर्घटनाएं जन्म ले रही है। चूंकि कार्यों को तय मापदंडों के आधार पर कार्य न कराकर उपेक्षा की जा रही है वह न सिर्फ रेलवे के लिए चिंता का बिषय है वरन राष्ट्रीय क्षितिज पर यह सवाल खड़े कर रहा है बिलासपुर जोन के अंतर्गत एक पखवाड़ा के अन्दर 3 स्थानों पर रेल डॉली ट्रेन से टकराई है। दो घटनाएं बिलासपुर रायगढ़ के मध्य घटित हुई है। तीसरी घटना मुदरिया - घुँघुटी की है, दुर्घटनाओं की बारीकी से समीक्षा की जाये तो रेलवे के आला अधिकारियों की कार्यशैली अत्यंत उदासीन और लकवा ग्रस्त नजर आयेगी । जानकर सूत्रों का मानना है कि इतनी लचर कार्यशैली रेलवे की कभी नहीं देखी गयी थी, जो वर्तमान परिदृश्य में हादसो के रूप में छायी हुई है, और उच्च रेल प्रबंधन ने अपनी इसी नाकामी को छिपाने के लिए स्थानीय स्तर पर प्राथमिकी दर्ज कर मामले को सदा के लिए दफन कर दिया है। जबकि ऐसे जोखिम भरी दुर्घटनाओं के लिए सेक्शन के उच्च अधिकारियों को बचा कर अपने दामन को बचाने का दुष्कर कार्य किया है। जबकि इस घटना के मुख्य दोषी सेक्शनल सीनियर डी ई एन को होना चाहिए । जो रेलवे ठेकेदारों को खुली छूट दिए हुए है। और नियम विरुद्ध कार्य करवाते है।

अस्पताल की लापरवाही उजागर, डीजल खत्म रास्ते खड़ी हुई एंबुलेंस, तड़पता रहा मरीज

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। जिले में मानवता को शर्मसार करने वाली लापरवाही का मामला सामने आया है। रएउछ सोहागपुर सेंट्रल अस्पताल से इलाज के लिए मरीज लेकर जिला अस्पताल जा रही एंबुलेंस बीच रास्ते में डीजल खत्म होने से घंटों तक सड़क किनारे खड़ी रही। इस दौरान मरीज और परिजन परेशान होते रहे, जबकि एंबुलेंस चालक मदद के लिए इधर-उधर फोन लगाता रहा। जानकारी के अनुसार, रएउछ सेंट्रल हॉस्पिटल की एंबुलेंस सेवा का संचालन दित्या इंटरप्राइजेज के पास है। आरोप है कि ठेकेदार द्वारा एंबुलेंस में पर्याप्त डीजल नहीं भरवाया गया, जिसके चलते मरीज को ले जा रही एंबुलेंस शहडोल मार्ग पर अचानक बंद हो गई। इससे मरीज की हालत बिगड़ने लगी और परिजन घबराकर अन्य वाहन की तलाश में जुट गए। लोगों ने बताया कि करीब एक घंटे तक एंबुलेंस सड़क पर ही खड़ी रही और किसी ने भी तत्काल सहायता नहीं की। बाद में निजी प्रयासों से किसी तरह एंबुलेंस को दोबारा चालू कराया गया।

पीआरटी महाविद्यालय के बीएमएलटी विद्यार्थियों का श्रीराम हॉस्पिटल शहडोल में शैक्षणिक भ्रमण

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनुपपुर। महाविद्यालय के संचालक डॉ देवेंद्र तिवारी के मार्गदर्शन में बीएमएलटी (BÔchelor i»»f MedicÔl LÔborÔtory Tech»»fol-ogy) विभाग के विद्यार्थियों को शैक्षणिक भ्रमण के अंतर्गत राम हॉस्पिटल, शहडोल का दौरा कराया गया। इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रयोगात्मक ज्ञान, आधुनिक उपकरणों की जानकारी तथा प्रयोगशाला तकनीकों के व्यावहारिक उपयोग से अवगत कराना था। शैक्षणिक भ्रमण के दौरान हॉस्पिटल के संचालक डॉ. रोहित दुबे एवं डॉ. पवित्रा दुबे ने विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उन्हें हॉस्पिटल की विभिन्न प्रयोगशालाओं, जांच कक्षों तथा रोग निदान प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी दी। विद्यार्थियों को बताया गया कि किस प्रकार आधुनिक तकनीकों का उपयोग रोगों की पहचान और उपचार में किया जाता है। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने पैथोलॉजी,क्छव, डळ इत्यादि का निरीक्षण किया। उन्हें विभिन्न मशीनों जैसे उळ रउअठ, - फअ ,माइक्रोस्कोप आदि के संचालन की प्रक्रिया समझाई गई। हॉस्पिटल स्टाफ द्वारा विद्यार्थियों को मरीजों की जांच रिपोर्ट तैयार करने, सैंपल कलेक्शन और प्रयोगशाला सुरक्षा नियमों की भी जानकारी दी गई। भ्रमण के दौरान महाविद्यालय के प्रबंधक विजय तिवारी एवं प्राध्यापक रणविजय शाही भी उपस्थित रहे। दोनों शिक्षकों ने विद्यार्थियों को इस प्रकार के भ्रमण को अपनी पढ़ाई का महत्वपूर्ण हिस्सा बताते हुए कहा कि प्रयोगात्मक शिक्षा से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास और पेशेवर दक्षता का विकास होता है। भ्रमण के समापन पर विद्यार्थियों को शहडोल नगर के प्रसिद्ध विराटेश्वर मंदिर पार्क का भी भ्रमण कराया गया, जहां विद्यार्थियों ने मनोरंजन के साथ ऐतिहासिक स्थल के बारे में जानकारी प्राप्त की।

रामभरोसे चल रही मीरा खान, प्रबंधन की सह और उदासीनता से कंपनी को भारी नुकसान

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। कोल इंडिया लिमिटेड की सहायक कंपनी एस ई सी एल जमुना - कोतमा क्षेत्र की मीरा खान में इस समय खान प्रबंधक के ढुलमुल और कर्त्तव्यहीनता भरे आचरण के कारण उत्पादन का बुरा हाल है। खान प्रबंधन की घोर उदासीनता और गैर-जिम्मेदाराना रवैये के चलते कंपनी को चौदह हजार टन से ज्यादा मासिक आर्थिक नुकसान का बोझ उठाना पड़ रहा है। उत्पादन कार्य सिर्फ दो पालियों में संचालित हो रहा है, जिसमें मुश्किल से 100 से 150 टन कोयले का उत्पादन हो रहा है। स्थिति यह है कि खान के सुपरवाइजर और अधिकारी काम को जरूरी नहीं समझते। दिन की ड्यूटी के समय ये लोग कोतमा, लहसुई और गोविन्दा बाजार में घूमते नजर आते हैं, जबकि रात्रि पाली में प्रबंधन की सह पर सभी कर्मचारी अपने-अपने घरों में सोना पसंद करते हैं। सभी अधिकारी और सुपरवाइजर ड्यूटी के दौरान कई बार घर आकर चाय, नाश्ता और भोजन करते हैं। सबसे गंभीर बात यह है कि खान प्रबंधक या उपक्षेत्रीय प्रबंधक द्वारा कभी भी खान में निरीक्षण नहीं किया जाता कि कितने कर्मी ड्यूटी पर आए हैं और कहाँ हैं। रात्रि पाली में कोई भी अधिकारी उपस्थित नहीं होता है, और द्वितीय पाली के शिफ्ट इंचार्ज अधिकारी भी कभी नीचे नहीं जाते हैं। 'राम भरोसे' चल रहे इस पूरे खान के संचालन के कारण, विशेषकर सुपरवाइजर और अधिकारी मुफ्त का वेतन लेकर कंपनी को भारी आर्थिक नुकसान पहुँचा रहे हैं। इतना ही नहीं, कुछ कर्मियों को तो खान के उत्पादन कार्य में होने के बजाय खान प्रबंधक और उपक्षेत्रीय प्रबंधक के बंगले में तैनात किया गया है। क्षेत्र के महाप्रबंधक को कोयला मजदूर रामरतन ने इस पत्र के माध्यम से तत्काल कार्रवाई की माँग की गई है। मीरा खान के प्रबंधक को तत्काल हटाकर भगोड़े कर्मियों को चिह्नित करने और विभागीय अनुशासनात्मक कार्रवाई कर उनका अन्यत्र स्थानांतरण करने की माँग की गई है, ताकि खान के उत्पादन में वृद्धि हो सके।

अवैध रेत उत्खनन, भंडारण का नही थम रहा काला व्यवसाय

दैनिक रेवांचल टाइम्स उमरिया। जिले के बिरसिंहपुर पाली रेत माफिया का कारोबार प्रशासन के मिलीभगत के परिणाम स्वरूप जोरों से जारी है, उमरिया जिले में रेत की बिक्री में प्रशासकीय तौर पर बन्द हैं फिर भी जिले में रेत का अवैध व्यवसाय का कारोबार निरतंर रूप से निर्रवाध रूप से उसी गति से चल रहा है। यह कारोबार पूरे जिले में फल फूल रहा है, फिर भी जिले के पाली तहसील में यह काम पूरी तरह से प्रशासन की मिलीभगत से अधिक ही उफान पर दिखाई दे रहा है। दूर दराज ग्रामीण अंचलों से लेकर पाली नगर पालिका परिषद् पाली से लगे लगे नदी -नालो को छलनी करते हुए इस व्यवसाय को अंजाम दे रहे हैं। पाली नगर पालिका की सीमा पर स्थित बहरा नाला आज कल पाली के रेत माफियाओं को सोने की अंडे देने वाली मुर्गी बन कर रह गया है,

मासूमों की मौत पर कांग्रेस का कैंडल मार्च, दी गई श्रद्धांजलि, सरकार के खिलाफ मुदार्बाद के नारे

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनुपपुर। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी के निदेर्शानुसार जिला मुख्यालय अनूपपुर मे जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्याम कुमार गुड्डू चौहान द्वारा कांग्रेस जनो के साथ छिंदवाड़ा में 22 मासूम मौतों के विरोध में हाथों में कैंडल लेकर कैंडल मार्च निकाला गया। जो कांग्रेस कार्यालय से प्रारम्भ होकर नगर के प्रमुख मार्ग से चलकर रेलवे स्टेशन से बस स्टैण्ड होते हुये वापस कांग्रेस कार्यालय पहुंच, 2 मिनट का मौन रखकर मासूम मृत बच्चों को श्रद्धांजलि देकर समाप्त हुआ। कैंडल मार्च के दौरान कांग्रेस जनों ने हाथों में मोहन यादव शर्म करो, स्वास्थ्य मंत्री इस्तीफा दो का पोस्टर लेकर भाजपा मुदार्बाद, नरेन्द्र मोदी मुदार्बाद, मोहन यादव मुदार्बाद, के नारे लगाए गए, साथ ही स्वास्थ्य मंत्री राजेन्द्र शुक्ला के इस्तीफे की मांग भी की गई। इस दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष श्याम कुमार गुड्डू चौहान ने कहा कि इतने बड़े हादसे के बावजूद अब तक जांच रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की गई और न ही दोषियों पर कोई ठोस कार्रवाई हुई है। उन्होंने तत्काल उपमुख्यमंत्री एवं लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग मंत्री राजेंद्र शुक्ला, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग प्रमुख सचिव संदीप यादव, ड्रग कंट्रोलर दिनेश कुमार मौर्य और डिप्टी ड्रग कंट्रोलर शोभित कोस्टा के इस्तीफे की मांग की। उन्होंने सवाल उठाया कि इतने गंभीर हादसे के बाद भी सरकार चुप क्यों है और दोषियों को क्यों बचाया जा रहा है? रिपोर्ट में देरी क्यों हो रही है? श्री चौहान ने मासूमों की मौत के जिम्मेदार अधिकारियों और कफ सिरप निमार्ताओं पर तत्काल कार्रवाई की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए स्वास्थ्य मंत्री का इस्तीफा नहीं लेती है, तो कांग्रेस सड़क से सदन तक आंदोलन करेगी। उन्होंने यह भी पूछा कि जो दवाएं अन्य राज्यों में प्रतिबंधित हैं, वे किसकी अनुमति से मध्य प्रदेश के दवा बाजार में बिक रही थीं।

छात्र पर हुआ चाकू से हमला, कोचिंग से वापस आ रहा था, आरोपी पहुंचा थाने, अस्पताल की लापरवाही

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। जिले के जयसिंहनगर में कोचिंग से लौट रहे छात्र पर चाकू से हमला करने के बाद आरोपी खुद थाने पहुंच गया और घटना की जानकारी पुलिस को दी, उधर घायल पड़े छात्र को स्थानीय लोगों ने उपचार के लिए जयसिंहनगर अस्पताल पहुंचाया,लेकिन जयसिंहनगर अस्पताल में छात्र का उपचार डॉक्टरो ने समय पर नहीं किया,घायल को गंभीर हालत में परिजन शहडोल लेकर पहुंचे हैं। पुलिस ने बताया कि जयसिंहनगर थाना क्षेत्र के जनकपुर मार्ग के पास यह घटना घटी है। पुलिस के अनुसार छात्र अभिनव शुक्ला कोचिंग से लौट रहा था, तभी रास्ते में पहले से मौजूद प्रिंस ने उसे चाकुओं से गोद गोद कर बुरी तरीके से जख्मी कर दिया। घटना के बाद घायल छात्र अभिनव शुक्ला को स्थानीय लोगों ने अस्पताल पहुंचाया है। इधर घटना को अंजाम देने के बाद प्रिंस खुद पुलिस के पास पहुंच गया, और पुलिस को घटना के बारे में जानकारी दी।जिसके बाद पुलिस ने प्रिंस को हिरासत में लेकर कार्यवाही शुरू कर दी है। वहीं परिजनों ने बताया कि जब वह घायल अभिनव को लेकर अस्पताल पहुंचे तो वहां पहले से ही विरोध कर रहे डॉक्टरों ने घायल छात्र का समय पर इलाज नहीं किया, अभिनव शरीर में 10 जगह चाकुओं से वार किया गया है। जिससे उसकी हालत गंभीर बनी हुई थी,, परिजन डॉक्टर से गुहार लगाते रहे, लेकिन घायल को प्राथमिक उपचार भी समय पर नहीं मिला।जिसके बाद परिजन अभिनव शुक्ला को लेकर शहडोल पहुंचे हैं। प्रिंस ने अभिनव को चाकू क्यों मारा है,अभी इस बात का पुलिस ने खुलासा नहीं किया है।

हरियाणा में लापता युवक की तलाश में निकले गरीब परिवार को मिली इंसानियत की राहत

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। जिले के गोहपारू थाना क्षेत्र के रतहर गांव के एक गरीब कोल परिवार की बेबसी ने शुक्रवार की आधी रात को शहडोल रेलवे स्टेशन पर एक मानवीय दृश्य खड़ा कर दिया। रोजगार की तलाश में हरियाणा गए गांव के युवक सुनील कोल के महीनेभर से लापता होने की सूचना के बाद उसका परिवार दर-दर भटक रहा था। थाने से लेकर तहसील कार्यालय तक कई बार गुहार लगाने के बावजूद जब किसी अधिकारी ने सुनवाई नहीं की, तो परिजनों ने खुद ही बेटे की तलाश के लिए हरियाणा जाने का निश्चय किया। लेकिन गरीबी की मार ने इस संकल्प को भी कठिन बना दिया। परिवार ने घर का कुछ सामान बेचकर मुश्किल से यात्रा के लिए कुछ पैसे जुटाए और शहडोल रेलवे स्टेशन पहुंचा। किराया चुकाने के बाद उनके पास खाने-पीने तक के पैसे नहीं बचे। छोटे-छोटे बच्चों के साथ ठंड में फर्श पर बैठे यह परिवार किसी सहारे की तलाश में था कि तभी विधायक पति राजेंद्र सिंह बबुआ को इसकी जानकारी मिली। राजेंद्र सिंह देर रात बिना विलंब किए स्वयं स्टेशन पहुंचे और परिवार से मुलाकात की। उन्होंने परिवार को भोजन और आवश्यक सहायता राशि प्रदान की। इतना ही नहीं, बबुआ ने मौके पर ही हरियाणा प्रशासन से फोन पर संपर्क साधकर लापता सुनील कोल की खोज में सहयोग का आश्वासन लिया। उन्होंने स्थानीय पुलिस अधिकारियों से भी समन्वय बनाकर युवक की खोज के लिए प्रयास तेज करने को कहा। राजेंद्र सिंह ने कहा गरीबी और लाचारी में किसी परिवार को इस तरह बेबस नहीं होना चाहिए। प्रशासन को ऐसे मामलों में तुरंत पहल करनी चाहिए। मैं हरसंभव मदद करूंगा ताकि यह परिवार अपने बेटे को जल्द पा सके। पीड़ित परिवार की मानें तो वे कई दिनों से गोहपारू थाना और स्थानीय अधिकारियों के चक्कर लगा रहे थे। हर बार उन्हें कार्यवाही हो रही है का जवाब देकर लौटा दिया गया।

संपादकीय

पहाड़ की कब्र में बस यात्री

हिमाचल में सडक परिवहन का सबसे दर्दनाक हादसा बरठी के पास सोलह लोगों को लील गया। यहां बस को गिरते पहाड़ ने बेबस किया और मलबे के समुद्र में डूब गया जिंदगी का सफर। न उनकी चीखें सुनी गईं और न ही जीने का प्रयास बचा। यह ऐसी निजी बस भी नहीं थी, जिसके चालक ने कोई गलती की। बस का नियंत्रण अचूक रहा, लेकिन पहाड़ ने उसे कब्रगाह बना दिया। एक ऐसी अनहोनी जो मौत के लिए प्रकृति का विनाश चुन गई। सांसों की रफ्तार के खिलाफ एक पूरा पहाड़ और दरकते लम्हे ने मौत की सजा सुना दी। शाहतलाई से घुमारवीं का यह सफर कातिल निकला या विकास की कहानियों में इनसान अति दुबला हो गया। कई रिश्ते एक साथ दफन हो गए, कई मंजिलें वहां आकर टूट गईं और मुकद्दर के कई दरवाजे बंद हो गए। मलबे के दैत्य ने पूरी बस पर कफन चढ़ा कर बता दिया कि सपने टूटने के लिए बस एक खूंखार पल चाहिए। अब बची हैं तो मौत की कहानियां और गहरे घाव लिए कई परिवारों के चूल्हे। इस हादसे का भयावह दृश्य सारे प्रदेश की सडकों का मुआयना कर रहा है और आपदाओं की कोख में भविष्य के संकट देख रहा है। ऐसी बहुत सारी सडकें हैं जहां बरसात के जूझते मंजर में एक खौफ सी यात्रा रहती है। यह सडक के फॉल्ट हैं, प्रकृति की विनाश लीला या तकनीकी तौर पर पहाड़ को कतर कर हमने चुनौती बढ़ा दी। जाहिर है परिवहन की परिस्थितियां सडक निर्माण से जुड़ी रहती हैं और जहां भौगोलिक दुरुहता से मुकाबिल विकास अपने सपनों के लिए, साहस के साथ आगे बढ़ता है। ऐसे में अब यह तो सोचना होगा कि ऐसे खतरनाक स्थलों को चिन्हित किया जाए जहां से सडक निकालना, मौत से खेलना है। कुछ वर्ष पहले मंडी-पठानकोट रोड पर इसी तरह सडक पर बारिश, मलबा और जानलेवा बहाव ने सिर्फ मातम का सन्नाटा छोड़ा था। पत्थर गिरते हैं, बार-बार गिरते हैं और कहीं किसी वाहन से टकरा कर किसी जिंदगी को चकनाचूर कर देते हैं, लेकिन बरठी का पहाड़ यमराज निकला। सूचना और संकेत थे कि पहाड़ दरक रहा है, लेकिन संज्ञान न लेकर विभाग ने यह अपराध कर दिया। ऐसे कई पहाड़ों पर अगर यमराज बैठा है, तो जिंदगी के कुछ अलग से फासले सडकों के नए सर्वेक्षण से चुन लेने चाहिएं। बेशक कुल्लू दशहरा समारोह का आतिथ्य छोडकर परिवहन मंत्री मुकेश अग्रिहोत्री ने राहत कार्यों की एक पूरी रात आंखों में गुजार दी, लेकिन यहां मसला सडक का था तो पीडब्ल्यूडी मंत्री को भी आकर देखना होगा कि उनके विभाग की आंख कहां-कहां दुख रही है। पूरे हिमाचल की सडक व्यवस्था को सुरक्षित संरचना की दृष्टि से देखना होगा। हर निर्माण की जरूरत में गौण होती भौगोलिक परिस्थितियों को अब अच्छे से समझना होगा। सडकों के सर्वेक्षण में कम दूरी, कम लागत व राजनीतिक तरफदारी का आलम यह है कि निर्माण कार्यों में सुरक्षा की तस्करी होने लगी है। बरठी से निकली बस भी अंततः पहाड़ के सुराख में इसलिए फंसी, क्योंकि प्राकृतिक विध्वंस की निशानियों की अनदेखी हुई। यह लागत का प्रश्न तो है ही, जहां मूल परियोजना में बजटीय प्रावधान कमजोर रहते हैं। दूसरी ओर सडकों पर पीडब्ल्यूडी विभाग की चौकसी रत्तीभर नहीं है। मौसम के आने और बदलते रुख को भांपते हुए जो निगरानी या चेतावनी दर्ज होनी चाहिए, उस पर विभाग की न तो नजर और न ही कोई परंपरा बची है। विभाग को मालूम ही नहीं होता कि किस सडक का कौन सा हिस्सा डरावना है, कहां मलबा गिर रहा है या जल रिसाव हैरान कर रहा है। आश्चर्य यह कि पूरी बरसात में मलबा हटाने के बजाय उसका सडक पर ही ढेर लगाकर यातायात बाधित किया जा रहा है। पीडब्ल्यूडी को माननीय उच्च न्यायालय के आदेशों की भावना में मलबे के हर पहलू पर प्रबंधन व्यवस्था बनानी होगी।

बिहार में बजा चुनावी बिगुल, किसकी पूरी होगी आस, किसकी टूटेगी उम्मीद

हर बार की तरह बिहार विधानसभा का मौजूदा चुनाव उन सभी लोगों के लिए उम्मीदें लेकर आया है, जो खुद चुनाव मैदान में उतरने जा रहे हैं.. उनके समर्थकों की भी उनकी कामयाबी से आस लगी है। कार्यकर्ताओं का बड़ा वर्ग ऐसा भी है, जिसकी सेहत उस दल की जीत या हार पर निर्भर करती है, जिससे उसकी प्रतिबद्धता जुड़ी होती है। लेकिन सबसे ज्यादा उम्मीद पहली बार खुद चुनावी मैदान में उतरने जा रहे प्रशांत किशोर को है। उम्मीद तो तेजस्वी यादव को भी है। उन्हें लगता है कि इस बार उनके नाम के बाद अतीत में लगे उप विशेषण से मुक्ति मिल जाएगी। उम्मीद उस बीजेपी को भी है, जो अपने सहयोगी की तुलना में संख्या बल में ताकतवर होने के बावजूद छोटे भाई की भूमिका निभाने को मजबूर रही है। आस तेजप्रताप को भी है कि वे लालू-राबड़ी की छाया से दूर होने के बावजूद चुनावी मैदान में कमाल दिखाने में वे सफल रहे हैं। देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस को भी ऐसी ही उम्मीदें हैं। उसे भावी सरकार में हिस्सेदारी की आस है। लेकिन अन्य दलों की तुलना में उसकी उम्मीद कुछ अलग भी है। उसे लगता है कि अगर इस चुनाव में तेजस्वी की अगुआई वाले उसके गठबंधन ने मोदी-नीतीश की जोड़ी को पटखनी दे दी तो दिल्ली के ताज तक की उसकी यात्रा आसान हो जाएगी।

रही बात नीतीश कुमार की तो इस बार का चुनाव एक तरह से उनका आखिरी चुनाव है। हालांकि पिछली बार यानी 2020 में जब वे चुनावी चक्रव्यूह में फंसे नजर आ रहे थे तो उन्होंने कुछ सभाओं में पिछले ही चुनाव को आखिरी बता दिया था। यह बात और है कि इस बार अभी तक ऐसा उन्होंने कोई संदेश नहीं दिया है। लेकिन बिहार के सियासी और लोक गलियारों में जिस तरह उनके स्वास्थ्य को लेकर चर्चाएं हैं, उससे माना जा रहा है कि इस बार का चुनाव एक तरह से उनका आखिरी चुनाव होगा। राजनीतिक दुनिया में यह भी माना जा रहा है कि इस बार वे बीजेपी से यह गारंटी चाहेंगे कि उनके बेटे निशांत का नेतृत्व स्थापित हो जाए। निशांत ने कुछ महीने पहले राजनीतिक सक्रियता दिखाकर ऐसा संकेत भी दिया था। हालांकि कुछ अरसे से उन्होंने सियासी चुप्पी ओढ़ ली है। उनके इस रूख से माना जा रहा है कि बीजेपी से अंदरखाने में किसी ठोस बिंदु पर बातचीत हो चकी है। हो सकता है कि निशांत विधानसभा का चुनाव ना लड़ें। लेकिन वे चुनाव बाद विधान परिषद में ठीक उसी तरह आ सकते हैं, जैसे उनके पिता आए। याद कीजिए, 2005 के जिस विधानसभा चुनाव में विजय के साथ नीतीश ने लालू राज को उखाड़ फेंका था, उस बार भी उन्होंने चुनाव नहीं लड़ा था और विधान परिषद के सदस्य के नाते उन्होंने सरकार की अगुआई की थी। इस बार के चुनाव में जनता दल यू एकजुट तो दिखेगा, लेकिन चुनाव मैदान में सबसे ज्यादा सवालों का सामना अशोक चौधरी को करना होगा। जिनके भ्रष्टाचार की गाथा को प्रशांत किशोर लोकमानस के बीच पहुंचा चुके हैं। उनकी ही तर्ज पर बीजेपी की ओर से उप मुख्यमंत्री बने मुरेठाधारी सम्राट चौधरी के लिए भी खुद का बचाव करना मुश्किल होगा, जिनके शैक्षिक प्रमाण पत्र और हत्या के एक आरोप में बरी होने को प्रशांत किशोर ने बिहार का सवाल बनाकर रख दिया है।

बीजेपी इस बार चाहती है कि वह राज्य में बड़े भाई की भूमिका में रहे। बड़े भाई की भूमिका में आने के बाद ही वह राज्य की सर्वोच्च पार्टी बन सकती है। 1967 में समाजवादियों के साथ उसने जहां भी सरकार बनाई, उन राज्यों में बाद के दिनों में वह ना सिर्फ नंबर एक बन गई,बल्कि साथी समाजवादी दूर कहीं पीछे छूटते नजर आए। मध्य प्रदेश, राजस्थान, उड़ीसा, हरियाणा और कर्नाटक इसके उदाहरण हैं। लेकिन बिहार में अब भी वह खुद के दम पर अपना वजूद स्थापित करने से दूर है। इस बार बीजेपी चाहेगी कि राज्यमें उसकी अगुआई में सरकार बने। इसके लिए उसने अपने दो बड़े कद्दावर रणनीतिकारों धर्मेंद्र प्रधान और विनोद तावड़े को मैदान में उतार दिया है। दोनों ने बिहार में अपने ढंग से ऑपरेशन शुरू कर दिया है। मैथिली की लोक गायिका मैथिली ठाकुर को बीजेपी एक तरह से अपना उम्मीदवार घोषिकर ही चुकी है। सत्ता पर काबिज होने और राज्य की नंबर एक सियासी पार्टी बनने के लिए मोदी-शाह के युग में पार्टी ने नई रणनीति अख्तियार की है। वह लोकप्रिय चेहरों को अपने साथ जोडने में देर नहीं लगाती। वैचारिक रूप से विरोधी रहे लोगों को भी अपने पाले में लाने में उसे गुरेज नहीं रहा। बशर्ते कि उनके आने से पार्टी को दूरगामी राजनीतिक फायदा मिलता दिख रहा हो। मैथिली ठाकुर का अतीत ऐसा नहीं है। मिथिला के लोक रंग में पली मैथिली एक तरह से भारतीय जनता पार्टी की पारंपरिक हिंदुत्व की राजनीति की नजदीकी ही लगती हैं। चुनाव के दौरान बीजेपी ऐसे कई और चेहरों पर दांव लगा सकती है।

बीजेपी को उम्मीद अपने मजबूत रणनीतिक वोट बैंक पर है। अति पिछड़ों और सवर्ण तबके में उसकी पकड़ अच्छी है। कभी पिछड़ावादी राजनीति जिस समुदाय को भूराबाल यानी भूमिहार, राजपूत, ब्राह्मण और लाला यानी कायस्थ कहकर हिकारत का भाव दिखाती थी, उसे यह वर्ग भूला नहीं है। हालांकि हाल के दिनों में बीजेपी की ओर से पिछड़ावादी राजनीति को बढ़ावा देने और उसी समुदाय से नेतृत्व उभारने के चलते सवर्ण तबके का एक वर्ग नीतीश-बीजेपी जोड़ी से नाखुश भी है। लेकिन यह भी तय है कि जैसे इस वर्ग को लगेगा कि राष्ट्रीय जनता दल की अगुआई वाला गठबंधन जीत रहा है, एकजुट होकर बीजेपी-नीतीश गठबंधन को टूटकर वोट डालेगा। मुसहर और अति दलित जातियां बीजेपी के साथ नजर आ रही हैं। बिहार की राजनीति में कोइरी-कुर्मी की जोड़ी को लवकुश कहा जाता रहा है। नीतीश बेशक अपनी बिरादरी कुर्मी के ही नेता नहीं माने जाते, लेकिन कुर्मी समुदाय उन्हें ही अपना नेता मानता है। कुशवाहा यानी कोईरी वर्ग के नेता उपेंद्र कुशवाहा इसी गठबंधन में हैं। चिराग भी मजबूती के साथ खड़े हैं। लिहाजा जाति और धर्म की कीमियागिरी वाली बिहारी राजनीति में बीजेपी की अगुआई वाले गठबंधन के लिए यह जातीय मसाला बड़ी काम की चीज है।

इस बीच कई लोगों की उम्मीद की किरण प्रशांत किशोर बनकर उभरे हैं। ऐसा माना जा रहा है कि उन्हें सिर्फ सवर्ण तबके के युवाओं का समर्थन हासिल है। लेकिन जमीनी स्तर पर निगाह रखने वाले राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बेशक प्रशांत किशोर के समर्थक युवाओं में सबसे बड़ी संख्या सवर्ण युवाओं की है। लेकिन अन्य वर्ग के भी पढ़े-लिखे युवा भी प्रशांत किशोर के साथ हैं। उन्हें लगता है कि भ्रष्टाचार, जातिवाद और धर्म केंद्रित राजनीति में प्रशांत किशोर बिहार के लिए उम्मीद की नई किरण हैं। जिस तरह 2013 के दिल्ली विधानसभा चुनावों में राजनीतिक और चुनावी विश्लेषक अरविंद केजरीवाल को विशेष तवज्जो नहीं दे रहे थे, कुछ वैसी ही सोच प्रशांत किशोर को लेकर भी दिख रही है। लेकिन जिस तरह नतीजों में अरविंद केजरीवाल ने लोगों और चुनाव विश्लेषकों को चौंकाया था, हो सकता है कि बिहार की जनता प्रशांत किशोर को लेकर वैसे ही देश-दुनिया को चौंकाने का मौका दे सकती है। इससे बिहार में अपनी साख को दांव पर लगा रहा हर दल चिंतित भी है और परेशान भी। वैसे प्रशांत किशोर का मानना है कि 243 सदस्यीय विधानसभा में या तो उन्हें 150 सीटें मिलेंगी या फिर दस-पंद्रह। इस लिहाज से देखें तो प्रशांत किशोर जमीनी स्तर की बात कर रहे हैं। हो सकता है कि नतीजे कुछ ऐसे ही रहें। वैसे अपना आकलन है कि वे बिहार की राजनीति में सेंध लगाने में कामयाब रहेंगे, लेकिन सरकार बनाने के जादुई आंकड़े को छू पाना उनके लिए कठिन रहने वाला है। बिहार की धरती लोकतंत्र की जननी रही है। आधुनिक लोकतांत्रिक प्रक्रिया यहां भले ही देश के बाकी हिस्से की तरह पूरी होती रही हो, लेकिन जाति और धर्म के खांचे में बैठी होने के चलते वह खासा बदनाम भी रही है। प्रशांत किशोर से शुरू में उम्मीद बढ़ी कि वे ऐसी ही राजनीति करेंगे। लेकिन पार्टी गठन के बाद जिस तरह उन्होंने धर्म विशेषकर मुसलमान समुदाय के लोगों को तवज्जो देने की बात करनी शुरू की, नई तरह की राजनीति की उम्मीद जताए बैठे लोगों को उनसे थोड़ी निराशा भी हुई। इस वजह से उनकी चुनौती बढ़ी भी है।

राशिफल

मेष राशि :- दैनिक व्यवसाय गति में सुधार होगा, योजनायें फलीभूत होंगी, रुके कार्य बनेंगे ध्यान दें।

वृष राशि :- दैनिक क्षमता में वृद्धि होगी, सफलता एवं प्रभुत्व वृद्धि के योग बनेंगे, कार्यगति पर ध्यान अवश्य दें।

मिथुन राशि :- आर्थिक योजना पूर्ण होगी, कार्य क्षमता में वृद्धि के योग बनेंगे, इष्ट मित्र सुखवर्धक होगा।

कर्क राशि :- कार्य व्यवसाय अनुकूल रहेगा, चिन्तायें कम होंगी तथा इष्ट मित्र सुखवर्धक होगा, समय का ध्यान रखें।

सिंह राशि :- धन लाभ होगा, आशानुकूल सफलता का हर्ष होगा, कार्यवृत्ति में सुधार होगा, कार्य पर ध्यान दे।

कन्या राशि :- कुछ समस्या सुलझेंगी कुछ पैदा होंगी, समय अनुकूल नहीं सोच-विचार कर कार्य अवश्य करें।

तुला राशि :- कार्य-व्यवसाय क्षमता अनुकूल होगी, आशाओं में कुछ सफलता किन्तु तनाव बनेगा, धैर्य अवश्य रखें।

वृश्चिक राशि :- धन लाभ होगा, आशानुकूल सफलता का हर्ष होगा, कुटुम्ब की समस्यायें अवश्य ही सुलझेंगी ध्यान दें।

धनु राशि :- प्रत्येक कार्य में विलम्ब संभव है, धन लाभ होगा, आशानुकूल सफलता का हर्ष होगा, कार्य समय पर करें।

मकर राशि :- आरोप व क्लेश संभव है, धन का व्यय होगा किन्तु विशेष सफलता से खुशी होगी, धैर्य के साथ कार्य करें।

कुंभ राशि :- सफलता के साधन जुटायेंगे, सोचे कार्य समय पर पूर्ण होंगे, रुके कार्य परिश्रम से बनेंगे, आलस्य से हानि।

मीन राशि :- किसी तनाव व क्लेश की स्थिति से बचें, अशांति व असमंजस का वातावरण रहेगा, वाद-विवाद से बचें।

प्रकृति का अद्भुत सौंदर्य और मन को शांत करने वाला ठिकाना है पापीकोंडालु

पापीकोंडालु कृष्णा जिले और पूर्वी-गोडावरी जिले की सीमा पर स्थित हैं। यहाँ पर गोदावरी नदी पर्वत श्रृंखलाओं के बीच से बहती हुई नागिन जैसी बलखाती है। पापीकोंडालु नाम का अर्थ हैझ पापों को हरने वाली पहाड़ियाँ। कहा जाता है कि यहाँ आने मात्र से मनुष्य का मन निर्मल हो जाता है और जीवन में शांति का संचार होता है। आंध्र प्रदेश का पापीकोंडालु भारत के उन प्राकृतिक स्थलों में से एक है जहाँ पहुँचते ही पर्यटक खुद को किसी अलग ही दुनिया में पाते हैं। यह रमणीय स्थल गोदावरी नदी की घाटियों के बीच स्थित है और अपनी हरियाली, पहाड़ों की श्रृंखला और नदी के शांत प्रवाह के कारण दक्षिण भारत का कश्मीर भी कहा जाता है।

पापीकोंडालु का भूगोल और नाम

पापीकोंडालु कृष्णा जिले और पूर्वी-गोडावरी जिले की सीमा पर स्थित हैं। यहाँ पर गोदावरी नदी पर्वत श्रृंखलाओं के बीच से बहती हुई नागिन जैसी बलखाती है। पापीकोंडालु नाम का अर्थ है झ पापों को हरने वाली पहाड़ियाँ। कहा जाता है कि यहाँ आने मात्र से मनुष्य का मन निर्मल हो जाता है और जीवन में शांति का संचार होता है।

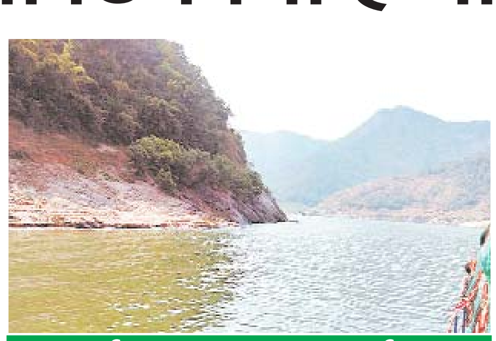

पर्यटन का मुख्य आकर्षण

बोट क्रूज (नौका विहार) झ पापीकोंडालु घूमने का सबसे रोमांचक अनुभव बोट क्रूज है। पर्यटक राजमहेंद्रवरम या पोलवरम से बोट पकड़कर गोदावरी की गहराइयों में प्रवेश करते हैं। पानी के बीच से उठती हरी-भरी पहाड़ियाँ मन मोह लेती हैं। वन्य जीवन और प्राकृतिक सौंदर्य झ यह क्षेत्र वनस्पति और जीव-जंतु विविधता से भरा है। यहाँ तेंदुआ, हिरण, जंगली भैंसा और कई पक्षियों की प्रजातियाँ देखी जा सकती हैं। आदिवासी संस्कृति झ पापीकोंडालु क्षेत्र में बसे आदिवासी गाँव पर्यटकों को स्थानीय संस्कृति, परंपराएँ और हस्तशिल्प से परिचित कराते हैं।

घूमने का उपयुक्त समय

पापीकोंडालु की यात्रा के लिए अक्टूबर से मार्च तक का समय सबसे बेहतर माना जाता है। इस दौरान मौसम सुहावना होता है और नदी का जलस्तर भी नौका विहार के लिए उपयुक्त रहता है।

पहुँचने का मार्ग

हवाई मार्ग : नजदीकी हवाई अड्डा राजमहेन्द्रवरम एयरपोर्ट है। रेल मार्ग : राजमहेन्द्रवरम रेलवे स्टेशन से टैक्सी या बस द्वारा आसानी से पहुँचा जा सकता है।

सड़क मार्ग : आंध्र प्रदेश के बड़े शहरों से पापीकोंडालु तक नियमित बस सेवाएँ उपलब्ध हैं।

पर्यटकों के लिए सुझाव

बोट क्रूज की बुकिंग पहले से कर लें।

हल्के कपड़े और पानी की बोतल अवश्य साथ रखें।

पर्यावरण की स्वच्छता बनाए रखने के लिए कचरा न फैलाएँ। स्थानीय आदिवासी हस्तशिल्प का समर्थन करें।

पापीकोंडालु पर्यटन केवल प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद नहीं है बल्कि यह आत्मा को शांति देने वाला अनुभव है।

घर बैठे इन आसान एक्सरसाइज से पिघलेगी पेट की जिद्दी चर्बी, पाएं स्लिम बॉडी

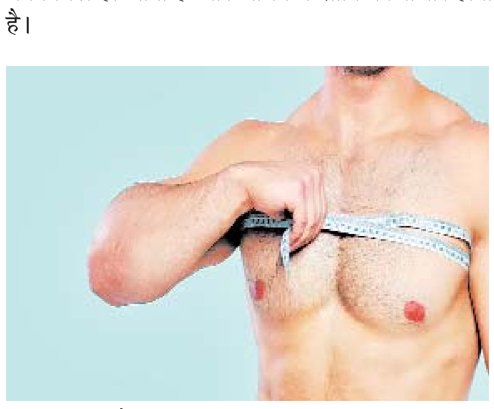

एक पत्नी के तौर पर आप अपने पति की सेहत का ध्यान रख सकती हैं। उनको इंस्पायर कर सकती हैं और मदद कर सकती हैं। आज हम आपको 3 ऐसी एक्सरसाइज के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको रोजाना करने से आपके पति की चर्बी कुछ ही दिनों में कम होने लगेगी।

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में कई बार पति अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पाते हैं। जिसका नतीजा बढ़ा हुआ वेट और खासकर पेट के आसपास चर्बी जमा हो जाती है। यह न सिर्फ पि की पर्सनैलिटी को प्रभावित करता है और कई तरह की सेहत संबंधी समस्याओं की वजह बनता है। जैसे डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर और दिल के रोग आदि। एक पत्नी के तौर पर आप अपने पति की सेहत का ध्यान रख सकती हैं। उनको इंस्पायर कर सकती हैं और मदद कर सकती हैं। यह दिखाता है कि आप अपने पति से कितना प्यार करती हैं।

हाई नी टच : हाई नी टच एक्सरसाइज पेट की निचली मसल्स पर काम करती है। साथ ही यह कैलोरी बर्न करने में भी मदद करती है।

इसको करने के लिए पैरों को हिप चौड़ाई में थोड़ा अलग करके खड़े हों।

फिर दोनों हाथों को कोहनी से मोड़कर चेस्ट के सामने लेकर आएं।

अब बारी-बारी से दाएं घुटने को हाथों से छूने का प्रयास करें और फिर बाएं घुटने को।

इस दौरान शरीर को सीधा रखने के साथ पेट की मसल्स को टाइट रखें।

शुरूआत में इसे 20 बार करें।

बाद में धीरे-धीरे इसकी संख्या बढ़ाकर 100 के 3 सेट करने का लक्ष्य सेट करें।

क्रॉस बॉडी क्रंच : क्रॉस बॉडी क्रंच एक्सरसाइज पेट की ऑब्लिक मसल्स पर काम करती हैं, जोकि साइड की चर्बी को कम करने में सहायक है।

इस एक्सरसाइज को करने के लिए सीखे खड़े हो जाएं।

फिर दोनों हाथों को सिर के पीछे रखें और कोहनियों को बाहर की ओर खोलें। अब दाएं घुटने को ऊपर की तरफ लाएं और बाईं कोहनी से छूने का प्रयास करें। इसके बाद बाएं घुटने को ऊपर की ओर लाएं और दाईं कोहनी से छूने का प्रयास करें। यह एक्सरसाइज धीमे और कंट्रोल स्पीड से करने की कोशिश करें।

शुरूआत में 20 बार करें।

अब महंगे ट्रीटमेंट नहीं, आटे की लोई से चेहरे के अनचाहे बाल हटाएं, पाएं प्राकृतिक निखार

चेहरे के अनचाहे बालों को हटाने के लिए मार्केट में कई सारे ट्रीटमेंट मौजूद हैं। वहीं मार्केट में कई हेयर रिमूवल प्रोडक्ट्स भी आते हैं, जोकि बालों को टेंपरेरी हटा देते हैं। लेकिन यह ट्रीटमेंट महंगे होने के साथ ही कम प्रभावशाली होते हैं। हालांकि इनसे आपको फौरन ही फायदा मिल जाता है, लेकिन कुछ समय बाद चेहरे पर वापस बाल आ जाते हैं। बार-बार चेहरे पर बाल आने से खूबसूरती बिगड़ती है दिखने में भी यह गंदा लगता है। इसलिए हम सभी ऐसे नुस्खों की तलाश में रहते हैं, जो बिना किसी साइड इफेक्ट और कम पैसों में फेस के बालों को हमेशा के लिए रिमूव कर दे। ऐसे में अगर आप रोजाना आटे की लोई से चेहरे पर रोल करती हैं, तो इससे अच्छा रिजल्ट्स देखने को मिल सकता है। यह नुस्खा 100 साल से भी ज्यादा पुराना है। जोकि पहले हमारी दादी-नानी इस्तेमाल किया करती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इस आसान और असरदार नुस्खे के बारे में बताने जा रहे हैं। जिसको आप रोजाना घर पर ट्राई कर सकती हैं।

ऐसे हटाएं चेहरे के अनचाहे बाल

कई महिलाओं को फेस पर बाल निकलने की शिकायत होती है। ऐसा तब होता है, जब शरीर में एंड्रोजन हार्मोन बढ़ जाते हैं। ब्यूटी एक्सपर्ट के मुताबिक पुरुषों के शरीर में एंड्रोजन हार्मोन ज?यादा होते हैं और इसी के कारण उनके फेस पर दाढ़ी-मूछ आती है। लेकिन जब यह हार्मोन

महिलाओं की बॉडी में ज्यादा हो जाते हैं, तो फेस के साथ शरीर के अन्य हिस्सो में भी बाल आने लग जाते हैं। इनको हटाने के लिए अगर आप एक नुस्खा फॉलो करती हैं, तो कुछ ही समय में आपको अच्छे रिजल्ट देखने को मिल जाएंगे।

सामग्री

आटा- 1 कप गेहूं का

पानी- 1/2 कप

हल्दी- 1 छोटा चम्मच

सरसों का तेल- 1 बड़ा चम्मच

विधि

एक पतीला लेकर उसमें गेहूं के आटा, हल्दी, पानी और तेल आदि को डालकर अच्छे से गूंथ लें। इसकी एक लोई तैयार कर लें और इस लोई को फेस पर रोल करना है। कम से कम 5 मिनट चेहरे पर रोजाना लोई को रोल करें। ऐसा करने से फेस के बाल आसानी से लोई में निकलकर चिपक जाएंगे। वहीं इस बात का ख्याल रखें कि यह काम आपको आहिस्ता-आहिस्ता करना चाहिए। जब बाल खुद ही टूट-टूटकर लोई में चिपकते हैं, तो इससे आपके चेहरे पर दाने नहीं उभरते हैं। लेकिन जब आप चेहरे के बालों को जबरदस्ती खींचते हैं तो फेस पर दाने उभर सकते हैं। जोकि काफी दर्दनाक और भद्दे होते हैं।

करवा चौथ की रौनक से पवई हुआ सराबोर

सुहागिनों ने पति की लंबी उम्र के लिए रखा निर्जला व्रत, चांद निकलने का इंतजार जारी

दैनिक रेवांचल टाईम्स, पवई। देशभर की तरह पन्ना ज़िले के पवई कस्बे में भी आज करवा चौथ का पर्व बड़े ही उत्साह, भक्ति और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया जा रहा है। सुहागिनों ने सुबह सूर्योदय से पहले सरगी लेकर निर्जला व्रत की शुरूआत की और दिनभर पति की लंबी उम्र, सुख-समृद्धि और अखंड सौभाग्य की कामना करती रहीं।

रात 8:12 बजे दिखेगा चांद — व्रत खोलेगीं सुहागिनें

खगोलविदों के अनुसार पवई में आज रात लगभग 8 बजकर 12 मिनट पर चांद के दर्शन होंगे। इसके बाद महिलाएं छलनी से चंद्र दर्शन कर पति के चेहरे को देख जल ग्रहण करेंगी और व्रत का समापन करेंगी।

मंदिरों में हुआ करवा माता का पूजन, गूंजे पारंपरिक गीत

शाम ढलते ही मंदिरों और घरों में करवा माता की पूजा-अर्चना शुरू हुई। समूहों में महिलाएं एकत्र होकर पारंपरिक गीत गाती और कथा सुनती नजर आईं। हर घर में उत्सव जैसा माहौल दिखाई दिया।

सोशल मीडिया पर भी करवा चौथ का जलवा

पवई की युवतियों और महिलाओं ने इंस्टाग्राम, फेसबुक और व्हाट्सएप पर इस खास दिन की तस्वीरें, रील्स और मेंहदी डिजाइन खूब शेयर किए। "मेरे चांद का इंतजार अब कुछ ही पल का है, सज चुकी हूं पूरी तरह, छलनी भी तैयार है..." – ऐसे भावनाओं से भरे स्टेटस शामभर सोशल मीडिया पर छाए रहे।

बाजारों में दिनभर रही रौनक, सजी मेंहदी और चूड़ियों की दुकानें

पवई के स्थानीय बाजारों में करवा चौथ की जबरदस्त चहल-पहल देखने को मिली। मेहंदी आर्टिस्टों के स्टॉल, रंग-बिरंगी चूड़ियों, पूजा की थालियों और पारंपरिक परिधानों की दुकानों पर सुबह से ही महिलाओं की भीड़ उमड़ पड़ी। कई महिलाओं ने दुल्हन की तरह सजधज कर करवा माता की पूजा के लिए तैयारियां कीं।

समर्थन मूल्य पर कोदो एवं कुटकी उपार्जन हेतु 11 पंजीयन केन्द्र बने, पंजीयन शुरू

किसान निर्धारित समय पर करायें पंजीयन: कलेक्टर तिवारी

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर राज्य सरकार द्वारा रानी दुर्गावती श्री अन्न प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत श्रीअन्न प्रोत्साहन कंसोर्टियम ऑफ फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड द्वारा कटनी जिले में कोदो एवं कुटकी उपार्जन किया जाना है। इसके लिए किसान भाई ई-उपार्जन पोर्टल पर 10 अक्टूबर से 24 अक्टूबर 2025 तक कोदो एवं कुटकी का पंजीयन करा सकते हैं। कलेक्टर श्री आशीष तिवारी ने किसानों से आग्रह किया है की, राज्य शासन द्वारा निर्धारित समय में किसान भाई पंजीयन अवश्य करा लें, जिससे किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं हो। उन्होंने बताया है कि किसान पंजीयन की व्यवस्था को सहज और सुगम बनाया गया है।

कोदो एवं कुटकी के पंजीयन हेतु बने 11 केंद्र

कलेक्टर श्री तिवारी के निर्देश पर कोदो एवं कुटकी पंजीयन हेतु कटनी तहसील में सहकारी विपणन समिति मर्यादित को पंजीयन केंद्र बनाया गया है। इसी प्रकार विजयराघवगढ़ तहसील में प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति विजयराघवगढ़ एवं सिन्गौडी, रीठी तहसील में प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति रीठी एवं बकलेहटा तथा बरही तहसील में प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति पिपरिया कला को पंजीयन केंद्र बनाया गया है। जबकि बड़वारा तहसील में प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति बड़वारा एवं विलायतकला, ढीमरखेड़ा तहसील में प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति झिन्ना पिपरिया एवं सिलौडी तथा स्लीमनाबाद तहसील में प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति स्लीमनाबाद को पंजीयन केंद्र निर्धारित किया गया है।

पंजीयन की नि:शुल्क व्यवस्था

पंजीयन की निःशुल्क व्यवस्था ग्राम पंचायत और जनपद पंचायत एवं तहसील कार्यालयों में स्थापित सुविधा केन्द्र पर सहकारी समितियों एवं सहकारी विपणन संस्थाओं द्वारा संचालित पंजीयन केन्द्र पर तथा एम.पी. किसान एप पर भी की गई है।

पंजीयन की सशुल्क व्यवस्था

पंजीयन की सशुल्क व्यवस्था एम.पी. ऑनलाईन कियोस्क, कॉमन सर्विस सेन्टर कियोस्क, लोक सेवा केन्द्र और निजी व्यक्तियों द्वारा संचालित साइबर कैफे पर की गई है। प्रति पंजीयन के लिये 50 रुपए से अधिक शुल्क नहीं लिया जाएगा। किसान पंजीयन के लिए भूमि संबंधी दस्तावेज एवं किसान के आधार कार्ड एवं अन्य फोट पहचान पत्रों का समुचित परीक्षण कर उनका रिकार्ड रखा जाना अनिवार्य होगा। सिकमी,बटाईदार,कोटवार एवं वन पट्टाधारी किसान के पंजीयन की सुविधा केवल सहकारी समिति एवं सहकारी विपणन सहकारी संस्था द्वारा संचालित पंजीयन केन्द्रों पर उपलब्ध होगी। इस श्रेणी के शत-प्रतिशत किसानों का सत्यापन राजस्व विभाग द्वारा किया जाएगा।

उपार्जित फसल के भुगतान हेतु बैंक खाता

किसान द्वारा समर्थन मूल्य पर विक्रय उपज का भुगतान प्राथमिकता के आधार पर किसान के आधार लिंक बैंक खाते में किया जाएगा। किसान के आधार लिंक बैंक खाते में भुगतान करने में किसी कारण से समस्या उत्पन्न होने पर किसान द्वारा पंजीयन में उपलब्ध कराये गए बैंक खाते में भुगतान किया जा सकेगा। किसान पंजीयन के समय किसान को बैंक खाता नंबर और आईएफएससी कोड की जानकारी उपलब्ध करानी होगी। अक्रियाशील बैंक खाते, संयुक्त बैंक खाते एवं फिनो, एयरटेल, पेटीएम, बैंक खाते पंजीयन में मान्य नहीं होंगे। पंजीयन व्यवस्था में बेहतर सेवा प्राप्त करने के लिए यह जरूरी होगा कि किसान अपने आधार नंबर से बैंक खाता और मोबाईल नंबर को लिंक कराकर उसे अपडेट रखें। आधार पंजीयन केन्द्रों में आसानी से अपना मोबाईल नंबर एवं बायोमेट्रिक अपडेट कराया जा सकता है।इस कार्य के लिए पोस्ट ऑफिस में संचालित आधार सुविधा केन्द्र का भी उपयोग किया जा सकता है। आधार नंबर से बैंक खाता लिंक कराने के लिए बैंकों के साथ भी समन्वय आवश्यक होगा। किसान के आधार लिंक बैंक खाते के सत्यापन हेतु पंजीयन के दौरान ही 1 रुपए का ट्रांजेक्शन मध्यप्रदेश राज्य आपूर्ति निगम द्वारा ई-उपार्जन,जेआईटी पोर्टल के माध्यम से कराया जाएगा।

आधार नंबर का वेरिफिकेशन

पंजीयन कराने और फसल बेचने के लिए आधार नंबर का वेरिफिकेशन कराना अनिवार्य होगा। वेरीफिकेशन आधार नंबर से लिंक मोबाईल नंबर पर प्राप्त ओटीपी से या बायोमेट्रिक डिवाईस से किया जा सकेगा। किसान का पंजीयन केवल उसी स्थिति में हो सकेगा जबकि किसान के भू-अभिलेख के खाते एवं खसरे में दर्ज नाम का मिलान आधार कार्ड में दर्ज नाम से होगा। भू-अभिलेख और आधार कार्ड में दर्ज नाम में विसंगति होने पर पंजीयन का सत्यापन तहसील कार्यालय से कराया जाएगा। सत्यापन होने की स्थिति में ही उक्त पंजीयन मान्य होगा।

किसानों को करें एसएमएस

विगत रबी एवं खरीफ के पंजीयन में जिन किसानों के मोबाइल नंबर उपलब्ध हैं, उन्हें एसएमएस से सूचित करने के निर्देश दिये गये हैं। गांव में डोडी पिटवाकर ग्राम पंचायतों के सूचना पटल पर पंजीयन सूचना प्रदर्शित कराने तथा समिति,मंडी स्तर पर बैनर लगवाने के निर्देश भी दिये गये हैं। किसान पंजीयन की सभी प्रक्रियाएँ समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये गये हैं।

स्वदेशी से स्वावलंबन विषय पर एकदिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। स्वदेशी विचारधारा के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को शैक्षणिक विमर्श के केंद्र में लाने के लिए पोस्ट मेट्रो सेंटर ऑफ एक्सीलेंस एवं शासकीय तिलक स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कटनी के तत्वावधान में स्वदेशी से स्वावलंबन विषय पर एकदिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुनील कुमार वाजपेई के स्वागत भाषण से हुआ। उन्होंने सभी वक्ताओं और प्रतिभागियों का अभिनंदन करते हुए कहा कि स्वदेशी का अर्थ केवल भारतीय वस्त्र या उत्पादों का प्रयोग करना नहीं, बल्कि यह अपने विचार, व्यवहार और आचरण में भारतीयता को आत्मसात करने की प्रक्रिया है। जब व्यक्ति आत्मनिर्भर बनता है, तभी समाज और राष्ट्र सशक्त होता है। इसी प्रकार हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. माधुरी गर्ग ने विषय-प्रवर्तन करते हुए कहा कि स्वदेशी आंदोलन भारत के आत्मबोध का प्रतीक रहा है। आज के समय में ह्यस्वदेशी से स्वावलंबनह्ल का विचार केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और नैतिक पुनर्जागरण का भी संदेश देता है। मुख्य वक्ता प्रज्ञा प्रवाह के प्रचारक श्री विनय दीक्षित ने अपना विचार रखते हुए कहा कि स्वदेशी का भाव आत्मनिर्भरता की जड़ में निहित है। यह आत्मसम्मान, स्व-निर्णय और सांस्कृतिक आत्मविश्वास की नींव है। हमें यह समझना होगा कि स्वदेशी अपनाना किसी का विरोध नहीं, बल्कि अपने मूल से जुड़ने का प्रयास है। वहीं सह वक्ता के रूप में डॉ. नीरज द्विवेदी ने कहा कि स्वदेशी का विचार केवल आर्थिक स्वायत्तता नहीं, बल्कि यह समाज की संरचनात्मक आत्मनिर्भरता का दर्शन है। जब स्थानीय संसाधनों और ज्ञान-परंपराओं का उपयोग राष्ट्रीय विकास में होता है, तभी स्वदेशी का अर्थपूर्ण विस्तार संभव है। दिल्ली विश्वविद्यालय से डॉ. आशु मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि स्वावलंबन तभी स्थायी हो सकता है जब वह स्वदेशी चिंतन और वैज्ञानिक दृष्टिकोण दोनों पर आधारित हो। भारत की प्राचीन परंपराएं हमें यह सिखाती हैं कि आत्मनिर्भरता और सहअस्तित्व एक-दूसरे के पूरक हैं, विरोधी नहीं।

'दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान' के तहत अधिकारियों ने किया पशुपालकों से संपर्क

पशुपालकों से दुग्ध समिति बनाने पर हुई चर्चा

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। जिले में चल रहे दुग्ध समृद्धि सम्पर्क अभियान" के तहत कलेक्टर श्री आशीष तिवारी के निर्देश पर अभियान के आखिरी दिन विकासखंड कटनी के ग्राम गाताखेड़ा में पशुपालकों से संपर्क कर सत्यापन कार्य किया गया। इस दौरान क्षेत्र में 6-8 क्विंटल दुग्ध उत्पादन को ध्यान में रखते हुए, ग्राम गाताखेड़ा, चकराघाट, कौडिया, सेमरा, हिरवारा के उपस्थित पशु पालकों में सहमति बना कर दुग्ध समितियों के गठन के संबंध में विस्तृत चर्चा एवं विचार-विमर्श किया गया। साथ ही दुग्ध संघ जबलपुर के प्रतिनिधि, सहकारिता विभाग के प्रतिनिधि, स्थानीय आइडीबीआई बैंक के मैनेजर से समन्वय कराया गया। दुग्ध उत्पादन बढ़ाने हेतु पशुपालकों को नस्ल सुधार, पशु पोषण एवं पशु स्वास्थ्य पर चर्चा करते हुए सेक्स सॉर्टेड सीमेन से कृत्रिम गभार्धान कराने, वर्ष पर्यन्त हरे चारे का उत्पादन करने एवं पशु रोग नियंत्रण में टीकाकरण के महत्व से संबंधित जानकारियां प्रदान की गईं। इस दौरान पशु पालक सम्पर्क में पशुपालक विनोद यादव, शमशेर यादव के पशु शेड में कृत्रिम गभार्धान से उत्पन्न वत्सों का भी अवलोकन किया गया। सम्पर्क में पशु पालकों द्वारा डेयरी व्यवसाय को सबसे ज्यादा मिलावटी दूध विक्रेताओं से नुकसान होने की चिंता जताई गई। शासन द्वारा दूध विक्रेताओ के दूध एवं फैट की मशीन द्वारा नियमित जांच एवं सैम्पलिंग के बारे में बताया गया। इसी प्रकार डेयरी पंजीकरण का एवं भूसे के जिले से बाहर विक्रय को प्रतिबंधित करने का सुझाव दिया गया। इस सम्पर्क अभियान में डिप्टी कलेक्टर एवं अभियान के जिला पर्यवेक्षक कटनी प्रदीप मिश्रा जी, उपसंचालक डॉ. आर. के. सोनी, जिला नोडल अधिकारी डॉ. साकेत मिश्रा, डॉ दीक्षा लाड़े व्हीईओ, आरपी पांडे, रमेश सिंह एवीएफओ, सांची दुग्ध संघ स्लीमनाबाद मैनेजर श्री वीएन मौर्य, अनिरुद्ध गौतम, आइडीबीआई बैंक मैनेजर नवीन तिवारी, गौ सेवक मैत्री कार्यकर्ता ज्ञानेंद्र यादव, संत लाल यादव, संकेत यादव, अखिलेश सिंह उपस्थित रहे। संवाद में श्री दरोगा यादव, दामोदर यादव, विमल खन्ना, रीता खन्ना, अजय यादव, अभय यादव, रोहित यादव, शुभम यादव, लच्छू पटेल, रमेश पटेल, खूबचंद पटेल आदि पशुपालक उपस्थित रहे।

बड़वारा में अल्पविराम आनंद की अनुभूति कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। शासकीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आनंद की अनुभूति कराने एवं दैनंदिनी कार्यक्रमों में सकारात्मक सोच विकसित करने की दृष्टि से मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद एवं राज्य आनंद संस्थान आनंदम विभाग के संयुक्त संयोजन में जनपद पंचायत बड़वारा के सभागार में विकासखंड स्तरीय अल्पविराम परिचय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में जनपद पंचायत बड़वारा उपाध्यक्ष राम सेवक दुबे, जनपद पंचायत बड़वारा की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री प्रभावति तेकाम सहित मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक डॉ. तेज सिंह केशवाल, आनंद विभाग के डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम लीडर अनिल कांबले, आनंदम सहयोगी स्मृति करपते और अमित तिवारी उपस्थित हुए। कार्यशाला के प्रथम चरण में आनंद विभाग के डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम लीडर अनिल कांबले के द्वारा एक दिवसीय अल्पविराम कार्यशाला की प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए आनंद विभाग के कार्यक्रमों और गतिविधियों से परिचित कराया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं सुश्री तेकाम ने अपने उद्बोधन में बताया कि जीवन की भाग दौड़ में हम जीवन में सामंजस्य बनाते हुए व्यक्तिगत जीवन, सार्वजनिक जीवन एवं सेवा कार्य के बीच में कैसे संतुलन बना सकते हैं और अपने व्यवहार में परिवर्तन करते हुए किस प्रकार से स्थाई आनंद प्राप्त कर सकते हैं। यही इस कार्यशाला का उद्देश्य है। इसलिए प्रतिभागी के रूप में उपस्थित विभिन्न विभागों के शासकीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पूर्ण मनोयोग से इस प्रशिक्षण कार्यशाला में उपस्थित रहकर आवश्यक गतिविधियों में सहभागिता करना है। जिससे आपके जीवन में सकारात्मकता को बढ़ावा मिले। वहीं मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक डॉ. तेज सिंह केशवाल ने शासन के मार्गदर्शन में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद और आनंद विभाग के द्वारा रचनात्मक सोच विकसित करने की दृष्टि से आयोजित इस कार्यशाला में सहभागिता के लिए समस्त उपस्थित प्रतिभागियों को अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कार्यशाला में सहयोग प्रदान करने की अपेक्षा की। प्रशिक्षण कार्यशाला में आनंद विभाग की मास्टर ट्रेनर के द्वारा जीवन का लेखा-जोखा, डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम लीडर एवं मास्टर ट्रेनर अनिल कांबले के द्वारा सत्र चिंता का दायरा एवं प्रभाव का दायरा के माध्यम से जीवन में इस विषय की चिंता करें और किस विषय की चिंता ना करें, जानकारी प्रदान की गई, एवं विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से प्रतिभागियों में एकाग्रता और रचनात्मक सोच विकसित करने के तरीके बताए गए।

मेडिकल स्टोर्स का करें सघन निरीक्षण: कलेक्टर

प्रत्येक मेडिकल शॉप में फार्मासिस्ट की उपस्थिति अनिवार्य

दैनिक रेवांचल टाईम्स, पन्ना। कलेक्टर ऊषा परमार ने आज कलेक्टर कार्यालय के सभागार में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों के क्रियान्वयन की समीक्षा की। इस दौरान जिले में संचालित 400 से अधिक मेडिकल स्टोर्स के सघन निरीक्षण के लिए निर्देशित किया गया। कलेक्टर श्रीमती परमार ने कहा कि समस्त अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अपने क्षेत्रांतर्गत संचालित मेडिकल स्टोर्स के निरीक्षण के समय फार्मासिस्ट की उपस्थिति सहित दवाओं के स्टॉक और संधारित पंजी एवं रिकार्ड का अवलोकन अवश्य करें। साथ ही चेक लिस्ट अनुसार प्रत्येक बिंदुओं पर निरीक्षण की कार्यवाही की जाए। सभी दवा की दुकानों में फार्मासिस्ट की निगरानी एवं देखरेख में ही दवाओं का विक्रय होना चाहिए। बैठक में उपस्थित औषधि निरीक्षक महिमा जैन को भी प्रशासनिक अधिकारियों के सत्त संपर्क एवं समन्वय में रहकर आवश्यक कार्यवाही के लिए निर्देशित किया गया। जिला कलेक्टर ने कहा कि किसी भी मेडिकल शॉप पर प्रतिबंधित दवाओं की बिक्री पर रोक रहेगी। बैठक में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों द्वारा विभिन्न स्तरों पर तथा विभिन्न बीमारियों की रोकथाम के संबंध में की जाने वाली त्वरित कार्यवाही के बारे में भी आवश्यक जानकारी दी गई। इस अवसर पर अपर कलेक्टर मधुवंतराव धुर्वे सहित समस्त एसडीएम भी उपस्थित रहे।

दैनिक रेवांचल टाइम्स
निष्पक्ष, निर्भीक एवं सत्य का प्रवर्तक
डिंडोरी जिले में जिला ब्यूरो नियुक्त करना है और सभी ब्लॉक स्तर पर एजेंसी देना है पत्रकारिता के क्षेत्र में रुचि रखने वाले संपर्क करें
संवाददाता भी नियुक्त करना है
प्रबंध संपादक
अतुल कुमार
7415685293
7509202320
प्रधान कार्यालय
आदि प्लाजा की पीछे, फ्लैट न. 03
सी ब्लॉक, शताब्दीपुरम MR-4 रोड उखरी
जबलपुर म.प्र.

क्या आप दाद-खाज़, खुजली से परेशान है?
अब आपके शहर सिवनी में सभी प्रकार के चर्म रोगों का उपचार सुप्रसिद्ध चिकित्सक द्वारा संभव
डॉ. हेमलता चांचरिया
BHMS, PGDCC, Cosmetologist
चर्म, केश, सौन्दर्य चिकित्सक
माह के दूसरे एवं चौथे बुधवार
सुबह 11 बजे से 2 बजे तक
दाद (दराद) खाज खुजली का ईलाज
* कील मुहाँसे का सफलतम ईलाज
* चेहरे का साँवलापन झाई एवं Chemical Peeling दाग धब्बे हटाये द्वारा
* तील एवं मस्सो का स्थाई ईलाज लेजर द्वारा
* चेहरे के अनचाहे बालों को हटाना बालों का झड़ना समय से पहले बाल सफेद होना गंजेपन का ईलाज (पी.आर.पी.) द्वारा
* सफेद दाग का सफल ईलाज दवाई एवं सर्जरी द्वारा।
* काली झाईयाँ, चेहरे के दाग धब्बे एवं गड्ढों का सफलतम ईलाज।
* एलर्जी, एग्जिमा, शरीर पर खुजली एवं सोरायसिस का सफल इलाज
* चेहरे के गड्ढे झुरियां एवं दाग का सफल ईलाज दवाई एवं Dermaroller द्वारा
रेवा फार्मेसी
पता: बरघट रोड़, गणेश चौक, सिवनी
Mob: 96696 52061, 88393 10065

प्रगति के क्षेत्र में महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश जोड़ीदार राज्य : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मध्यप्रदेश में व्यवस्थाओं के सरलीकरण के कारण तेज गति से आ रहा है निवेश : मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महाराष्ट्र के उद्यमियों से मध्यप्रदेश में निवेश का किया अनुरोध

मुख्यमंत्री डॉ. यादव मुंबई में आयोजित ह्लइन्टरैक्टिव सेशन ऑन इन्वेस्टमेंट ऑपर्च्युनिटीज इन मध्यप्रदेशह्व कार्यक्रम में शामिल हुए

मध्यप्रदेश को 74,300 करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव हुए प्राप्त

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में उद्योगों की स्थापना के लिए व्यवस्थाओं को सरल बनाया गया है। प्रदेश में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के तहत इस वर्ष सम्पन्न ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट, भोपाल के दौरान 18 नई नीतियां लागू की गईं। सरलीकृत की गई व्यवस्थाओं के कारण मध्यप्रदेश में तेज गति से निवेश आ रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महाराष्ट्र के उद्यमियों से मध्यप्रदेश में निवेश का अनुरोध करते हुए कहा कि प्रगति के क्षेत्र में महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश जोड़ीदार राज्य हैं। अतीत के गौरवशाली पृष्ठ को देखें तो महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश का गहरा संबंध रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव मुम्बई में "इंटरएक्टिव सेशन ऑन इन्वेस्टमेंट ऑपर्च्युनिटीज इन पॉवर एंड रिन्यूएबल एनर्जी इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरिंग एंड वाइट गुड्स इन मध्यप्रदेश" को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि व्यापारियों को नई पॉलिसियों का लाभ दिया जा रहा है। बिजनेस और निवेश को लेकर निरंतर सीसीआई की बैठकें आयोजित की जाती हैं। प्रदेश में संभागीय स्तर पर इंडस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित कर छोटे शहरों को इंडस्ट्री से जोड़ा गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि आज इस सत्र के माध्यम से रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में ?19,900 करोड़ रूपए से अधिक के निवेश एवं अन्य सभी सेक्टर्स में ?54,400 करोड़ रूपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इस प्रकार कुल 74,300 करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्राप्त हुए हैं। कार्यक्रम में सन फार्मा के अध्यक्ष श्री दिलीप सांघवी, सीआईआई के अध्यक्ष श्री नील सी. रहेजा, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी), ईसीजीसी श्री सृष्टिराज अम्बष्ठा, हिंडाल्को के प्रबंध निदेशक श्री सतीश पाई, हेत्तिच (ल्ली३ड्ढ) के प्रबंध निदेशक श्री आंद्रे एकहोल्ट, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य वित्तीय अधिकारी (एमडी एवं सीएफओ), आईपीसीए लैब श्री अजीत कुमार जैन और एफआईईओ के उपाध्यक्ष श्री रविकांत कपूर विशेष रूप से मौजूद थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शिवाजी महाराज और प्रदेश के सिंधिया, होल्कर, पवार इतिहास के उस दौर में भारतीय समाज के लिए महत्वपूर्ण भूमिका में रहे। उज्जैन में बाबा महाकाल की ध्वजा जिस शान से लहराती है, उसके अतीत में शिवाजी महाराज का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आशा व्यक्त की कि मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र के मध्य उद्योग और व्यापार के क्षेत्र में संबंध अधिक सशक्त होंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज मुंबई में ह्लइन्टरैक्टिव सेशन ऑन इन्वेस्टमेंट अर्पोच्यूमनिटीज इन मध्य प्रदेशह्व कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। भारत की आर्थिक राजधानी में उद्योग जगत के दिग्गजों के साथ हमारा यह संवाद सत्र अत्यंत सकारात्मक और परिणामोन्मुखी रही। महाराष्ट्र की औद्योगिक विशेषज्ञता और मध्यप्रदेश की ह्यअनंत संभावनाएंह्व मिलकर देश की प्रगति को नई गति देंगे। हमारा लक्ष्य महाराष्ट्र के निवेशकों को मध्यप्रदेश की विकास यात्रा में एक रणनीतिक भागीदार के रूप में जोड़ना है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज के इस इंटरेक्टिव सत्र का मुख्य उद्देश्य था नर्मदापुरम जिले के मोहासा-बाबई में स्थित, भारत के पहले अत्याधुनिक 'मैन्युफैक्चरिंग जोन फॉर पावर एंड रिन्यूएबल एनर्जी इक्विपमेंट' के बहुप्रतीक्षित फेज 2 में निवेश आकर्षित करना। इस जोन में भूमि आवंटन के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि निकट, 12 अक्टूबर 2025, है, जिससे निवेशकों को इस अवसर का लाभ उठाने के लिए एक स्पष्ट दिशा मिली। यह हमारी दूसरी मुंबई यात्रा है। विगत वर्ष, निवेशकों से चर्चा के दौरान हमें प्रदेश की नीतियों और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को लेकर कुछ महत्वपूर्ण सुझाव मिले थे। मुझे यह बताते हुए गर्व है कि हमने उन सुझावों पर गंभीरता से काम किया है और अपनी नई औद्योगिक नीतियों में उन्हें शामिल किया है। हमने अपनी 'उद्योग और रोजगार वर्ष 2025' की प्रतिबद्धता और इस वर्ष लॉन्च की गई 18 नई, प्रगतिशील नीतियों को विस्तार से साझा किया। हमने न केवल जेनेरिक अवसर, बल्कि सेक्टर-स्पेसिफिक, रेडी-टू-इन्वेस्ट प्रोजेक्ट्स भी प्रस्तुत किए जिनमें नर्मदापुरम का पॉवर एंड रिन्यूएबल एनर्जी इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरिंग जोन, टेक्सटाइल पार्क, आईटी पार्क्स, फूड पार्क्स एवं मेडिकल डिवाइस पार्क प्रमुख हैं।

संवाद कार्यक्रम में मुंबई और आसपास के प्रमुख औद्योगिक केंद्रों से 400 से अधिक शीर्ष निवेशक, उद्योगपति और विभिन्न औद्योगिक संघों के प्रतिनिधि शामिल हुए। आयोजन के माध्यम से उन सेक्टरों पर ध्यान केंद्रित किया गया जो मध्यप्रदेश के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण हैं, जिनमें नवीकरणीय ऊर्जा, आईटी, व्हाईट गुड्स, खाद्य प्रसंस्करण, टेक्सटाइल, फार्मा, पर्यटन, फिल्म पर्यटन एवं लॉजिस्टिक्स आदि।

कार्यक्रम में 2 राउंडटेबल मीटिंग का आयोजन किया गया। पहली डिप्लोमेट्स के साथ राउंड टेबल मीटिंग हुई, जिसमें विभिन्न देशों के राजनयिकों के साथ द्विपक्षीय व्यापार और विदेशी निवेश बढ़ाने के अवसरों पर चर्चा हुई। दूसरी नवीकरणीय ऊर्जा उपकरण निमार्ताओं के साथ राउंड टेबल मीटिंग हुई, जिसमें नवीकरणीय ऊर्जा निमार्ताओं को प्रदेश के नर्मदापुरम जिले में स्थित 'मैन्युफैक्चरिंग जोन फॉर पावर एंड रिन्यूएबल एनर्जी इक्विपमेंट' के फेज 2 में निवेश के लिए विशेष रूप से आमंत्रित किया गया। साथ ही पॉवर और रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में प्रदेश की अन्य विशेषताओं और संभावनाओं पर भी चर्चा की गई।

कार्यक्रम में 20 से अधिक प्रमुख उद्योगपतियों और एसोसिएशन/ संस्थानों के साथ वन-टूझवन मीटिंग की गई। इन गहन चचार्ओं में, टेक्सटाइल, ऑटोमोबाईल, इलेक्ट्रानिक्स, नवकरणीय उर्जा एवं फार्मास्युटिकल्स एवं कॉस्मेटिक्स जैसे प्रतिष्ठित समूहों ने विशेष रुचि दिखाई। हमने उनकी निवेश योजनाओं को समझा और उन्हें प्रदेश में हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

निवेश प्रस्ताव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि इस सत्र के माध्यम से रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में ?19,900 करोड़ रूपए से अधिक के निवेश एवं अन्य सभी सेक्टर्स में ?54,400 करोड़ रूपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इस प्रकार कुल 74,300 करोड़ रुपए से अधिक के निवेश एवं जिनके माध्यम से लगभग 7000 से अधिक रोजगार सृजित होंने की संभावना है। इन प्रस्तावों को धरातल पर उतारने हेतु हम हरसंभव प्रयास करेंगे, ताकि प्रदेश में पूंजी निवेश बढ़े और हमारे युवाओं के लिए नए रोजगार के अवसर सृजित हों।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मुंबई, सपनों का शहर है जो अपनी ऊर्जा और उद्यमशीलता के लिए जाना जाता है। आज मध्यप्रदेश की विकास आकांक्षाओं का साक्षी बन रहा है। यह संवाद केवल व्यापार का नहीं, बल्कि महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश के बीच एक नई, अटूट औद्योगिक साझेदारी की शुरूआत है। हमें मुंबई के निवेशकों से जो उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली है, वह हमारी उम्मीदों से बढ़कर है। कई प्रमुख औद्योगिक घरानों ने मध्यप्रदेश में निवेश करने में गहरी रुचि दिखाई, जो हमारी नीतियों पर उनके विश्वास का प्रमाण है। आज का निवेशक केवल 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' और 'कॉस्ट ऑफ डूइंग बिजनेस' ही नहीं देखता, वह 'स्पीड ऑफ डूइंग बिजनेस' भी चाहता है। मुझे यह कहते हुए गर्व है कि मध्यप्रदेश सभी पैमानों पर खरा उतर रहा है। हमारा लक्ष्य है कि मध्यप्रदेश में निवेश का हर निर्णय और उसका क्रियान्वयन इतनी तेजी से हो कि यह देश के लिए एक नया बेंचमार्क बने। जिस तरह मुंबई की लोकल ट्रेनें इस शहर की लाइफलाइन हैं, हम चाहते हैं कि हमारी निवेशक-हितैषी नीतियां आपके व्यापार के लिए ग्रोथ की लाइफलाइन बनें। मेरा सभी निवेशकों से आग्रह है कि आप मुंबई और महाराष्ट्र में अपने व्यापार को नई ऊंचाइयां देते रहें, और साथ ही मध्यप्रदेश की अनंत संभावनाओं को अपनाकर अपनी सफलता का एक नया अध्याय लिखें। यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 'विकसित भारत @2047' का विजन हमारा मार्गदर्शक है। उनके नेतृत्व में भारत आज आत्मविश्वास से भरा है, और हम इसी आत्मविश्वास के साथ निवेशकों को मध्यप्रदेश की विकास यात्रा में सहभागी बनने के लिए सादर आमंत्रित करते हैं।

श्रद्धालुओं से भरा ऑटो पलटा, एक महिला की मौत:10 घायल

पांढुर्णा। पांढुर्णा जिले के सौसर के नागपुर मार्ग पर ऑटो पलटने से एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई। घटना शुक्रवार की सुबह करीब 11 बजे की है। बताया जा रहा है कि ऑटो में करीब 10 महिलाएं थी। जो महाराष्ट्र के सावनेर से कोदेगांव से मध्य प्रदेश के सौसर क्षेत्र में बेरड़ी में कीर्तन (दहीलाही) कार्यक्रम में शामिल होने ऑटो से आ रही थी। इस दौरान पेट्रोल पंप के पास ऑटो बेकाबू होकर डिवाइडर से टकराकर पलट गया। घटना में ऑटो में दबने से एक महिला की मौत हो गई। महिला की पहचान बेबी बाई पति मानिक मेश्राम के रूप में हुई। वहीं अन्य महिलाएं घायल हुई। सभी महाराष्ट्र के सावनेर तहसील के कोदेगांव के निवासी है। घटना के बाद लोधीखेड़ा पुलिस घटनास्थल पहुंची। जहां से घायल और मृतक के शव को सौसर सिविल अस्पताल पहुंचाया। थाना प्रभारी एबी मर्सकोले ने बताया कि मृतक की पहचान नहीं हुई है। मामले की जांच जारी है।

पांढुर्णा में पिकअप ने तोड़ा रेलवे गेट

पांढुर्णा। पांढुर्णा शहर के वरुड रेलवे गेट को शुक्रवार सुबह करीब 10:50 बजे एक पिकअप वाहन ने तोड़ दिया। घटना के बाद पिकअप चालक मौके से फरार हो गया। इस घटना के कारण रेलवे फाटक लगभग एक घंटे तक बंद रहा। गेट टूटने के तुरंत बाद, रेलवे की तकनीकी टीम मौके पर पहुंची। उन्होंने क्षतिग्रस्त गेट को हटाकर एक मैनुअल गेट स्थापित करने का प्रयास किया। हालांकि, इस मैनुअल गेट में भी तकनीकी खराबी आ गई, जिससे इसे ठीक करने में समय लगा। गेट की मरम्मत का काम लगभग एक घंटे तक जारी रहा। इस दौरान रेलवे फाटक के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं, जिससे यातायात बाधित हुआ। यह पहली बार नहीं है जब वरुड रेलवे गेट क्षतिग्रस्त हुआ है।

राज्य मंत्री श्री लोधी ने ली 67वें अखिल भारतीय कालिदास समारोह 2025 की समीक्षा

भोपाल। संस्कृति, पर्यटन और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेन्द्र भाव सिंह लोधी ने मंत्रालय में आगामी 67वें अखिल भारतीय कालिदास समारोह की तैयारियों के संबंध में समीक्षा बैठक ली। यह प्रतिष्ठित सांस्कृतिक आयोजन आगामी 01 से 07 नवम्बर 2025 तक उज्जैन में आयोजित किया जाएगा। राज्य मंत्री श्री लोधी ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस वर्ष के समारोह में देशभर के साथ-साथ प्रदेश के प्रमुख साहित्यकारों, कलाकारों एवं संस्कृत विद्वानों को विशेष रूप से आमंत्रित किया जाए। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि विदेशों में हिन्दी और संस्कृत साहित्य के क्षेत्र में कार्य कर रहे पाश्चात्य विद्वानों को भी समारोह में आमंत्रित किया जाए, जिससे कार्यक्रम का स्तर और अधिक व्यापक और अंतर्राष्ट्रीय हो। राज्य मंत्री श्री लोधी ने कार्यक्रम के प्रभावी प्रचार-प्रसार पर विशेष जोर देते हुए कहा कि जनसामान्य की अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि समारोह के आयोजन में सांस्कृतिक गौरव, साहित्यिक गरिमा और परंपरा की गहराई को समाहित किया जाए। बैठक में संचालक संस्कृति श्री एन.पी. नामदेव और निदेशक, कालिदास संस्कृत अकादमी, उज्जैन डॉ. गोविन्द गन्धे, सहित सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहें।

मुलताई में तनाव: बैतूल जिले में धारा 163 लागू

बैतूल। बैतूल जिले के मुलताई क्षेत्र में हाल ही में उत्पन्न हुई तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए बैतूल जिला प्रशासन ने बड़ा कदम उठाया है। जिला मजिस्ट्रेट नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी ने भारतीय नागरिक संहिता की धारा 163 के तहत जिले में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं, ताकि जिले में शांति और कानून व्यवस्था बनी रहे। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि कोई भी व्यक्ति, समूह या संस्था अब सार्वजनिक स्थानों पर धारदार हथियार, आग्नेयास्त्र, डंडा, हॉकी स्टिक, रॉड आदि लेकर नहीं चल सकेगा, न ही इनका प्रदर्शन या उपयोग किया जा सकेगा। आदेश के अनुसार, जिले में कोई भी सभा, धरना, प्रदर्शन, रैली या सार्वजनिक कार्यक्रम बिना प्रशासन की पूर्व अनुमति के आयोजित नहीं किया जा सकेगा। यदि कोई इसका उल्लंघन करता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने सोशल मीडिया के जरिए अफवाहें फैलाने और धार्मिक या साम्प्रदायिक भावनाएं भड़काने वाली सामग्री को भी गंभीरता से लिया है। व्हाट्सएप, फेसबुक, ई-मेल सहित सभी डिजिटल माध्यमों पर आपत्तिजनक, भ्रामक, या भड़काऊ संदेश, चित्र या वीडियो साझा करने पर सख्त प्रतिबंध लगाया गया है।

एबीवीपी का टोल नाके पर हंगामा

संगठन मंत्री से अभद्रता के विरोध में आधे घंटे रुका यातायात, मैनेजर ने हाथ जोड़कर मांगी माफी

रायसेन। रायसेन के सेहत गंज टोल नाके पर गुरुवार देर रात अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के कार्यकताओं ने हंगामा कर दिया। संगठन मंत्री के साथ अभद्र व्यवहार के विरोध में कार्यकताओं ने धरना दिया, जिससे करीब आधे घंटे तक वाहनों का आवागमन बाधित रहा। एबीवीपी का आरोप है कि टोल नाका कर्मचारी रात के समय अवैध वसूली करते हैं और वाहन चालकों से दुर्व्यवहार भी करते हैं।टोल नाके पर धरना, वाहनों की कतार लग गई कार्यकताओं ने बताया कि दो दिन पहले संगठन मंत्री के साथ भी अभद्रता की गई थी। इसी के विरोध में कार्यकर्ता टोल नाके पर पहुंचे और जिम्मेदार टोल कर्मचारी द्वारा माफी मांगने की मांग करते हुए धरने पर बैठ गए। इस दौरान टोल पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। सूचना मिलने पर पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और कार्यकताओं को समझाया। काफी समझाने-बुझाने के बाद स्थिति पर नियंत्रण पाया गया और यातायात फिर से सुचारु हो सका।एबीवीपी के जिला संयोजक अश्विनी पटेल ने कहा कि जब तक अभद्र व्यवहार करने वाला कर्मचारी माफी नहीं मांगेगा, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। सूचना मिलने पर कार्रवाई चौकी प्रभारी नागेंद्र सिंह भी मौके पर पहुंचे उनके द्वारा कार्यकताओं को समझाइए दी गई। इसके बाद टोल मैनेजर मौके पर पहुंचकर हाथ जोड़कर माफी मांगी तब मामला शांत हुआ।

पुलिस की पिटाई के बाद डीएसपी के साले की मौत

भोपाल। भोपाल के पिपलानी थाना क्षेत्र में ऊरढ के साले की मौत का मामला सामने आया है। आरोप है कि देर रात पार्टी के दौरान पुलिस ने युवक उदित की पिटाई की थी। इसका सीसीटीवी भी सामने आया है, घटना के बाद बेहोश हुए उदित को उसके दोस्तों ने एम्स अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस का कहना है कि युवक को घबराहट के चलते अटैक आया था। मामले में दो आरक्षकों संतोष बामनिया और सौरभ आर्य को निलंबित किया गया है। घटना के बाद एम्स अस्पताल में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। जोन 2 डीसीपी विवेक सिंह ने बताया कि पांच डॉक्टर की पैनल ने पोस्टमॉर्टम कर रही है। पीएम की वीडियोग्राफी कराई जा रही है। हत्या का केस दर्ज करने की तैयारी है। पुलिस के मुताबिक, पिपलानी निवासी उदित पुत्र राजकुमार गायकी टीआईटी कॉलेज में बीटेक फाइनल ईयर का छात्र था। उसके पिता एमपीईबी कर्मी और मां टीचर हैं। उसके बहनोई डीएसपी हैं और फिलहाल बालाघाट में पदस्थ हैं। उदित दोस्तों के साथ सी सेक्टर इंद्रपुरी में रात करीब ढाई बजे डांस कर हो हल्ला कर रहा था।

पुलिस लिखी कार से अवैध शराब बरामद

रायसेन में बिना नंबर प्लेट की गाड़ी से हो रही थी तस्करी; एक गिरफ्तार

रायसेन। रायसेन कोतवाली पुलिस ने गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात एक बड़ी कार्रवाई करते हुए 'पुलिस' लिखे स्टिकर वाली स्विफ्ट डिजायर कार से बड़ी मात्रा में अवैध शराब बरामद की है। कार पर नंबर प्लेट नहीं थी और उसमें कई फर्जी नंबर प्लेट भी मिलीं। इस मामले में पुलिस ने बम्होरी रोड देहगांव निवासी अभिषेक पाठक को गिरफ्तार किया है।

मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई : थाना प्रभारी नरेंद्र गोयल ने बताया कि सहायक उप निरीक्षक अशोक गौर और आरक्षक नीरज कटियार गश्त पर थे, तभी मुखबिर से सूचना मिली कि देहगांव से अवैध शराब लेकर एक कार आ रही है। सूचना के आधार पर टपरा पठारी क्षेत्र में घेराबंदी की गई।

पीछा कर पकड़ा : पुलिस को देखकर चालक ने कार मोड़कर सुरई गांव की ओर भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने पीछा कर आरोपी को मौके पर ही पकड़ लिया। तलाशी लेने पर कार की डिग्गी से देशी मसाला शराब के 488 पाव बरामद हुए।

9 सीलबंद और 1 खुला बॉक्स मिला : पुलिस ने बताया कि शराब 9 सीलबंद बक्सों (हर एक में 50 पाव) और एक खुले बॉक्स में थी, जिसमें 38 पाव मिले। जब्त शराब की कुल कीमत करीब 50,000 रुपये आंकी गई है।

फर्जी नंबर प्लेट भी मिलीं : कार से कई फर्जी नंबर प्लेट भी बरामद हुईं। पुलिस ने अभिषेक पाठक सहित दो अन्य को भी इस मामले में आरोपी बनाया है। तीनों के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है।

250 फीट गहरी खाई में गिरा इथेनॉल से भरा टैंकर

ड्राइवर की मौके पर मौत; बैतूल-अमरावती हाईवे पर रेस्क्यू टीम ने निकाला शव

बैतूल। बैतूल-अमरावती स्टेट हाईवे पर गुरुवार देर रात एक इथेनॉल से भरा टैंकर बेकाबू होकर करीब 250 फीट गहरी खाई में गिर गया, जिससे चालक की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा भैंसदेही थाना क्षेत्र के कोथलकुंड-चिचड़ाना गांव के पास हुआ। शुक्रवार सुबह एसडीईआरएफ की 6 सदस्यीय टीम ने चालक के शव का रेस्क्यू किया।

बैतूल से मनमाड़ जा रहा था टैंकर : जानकारी के अनुसार, टैंकर बैतूल स्थित इथेनॉल प्लांट से महाराष्ट्र के मनमाड़ की ओर जा रहा था। हादसे की सूचना रात करीब 11:30 बजे एसडीएम भैंसदेही द्वारा पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही टीआई अरविंद धुर्वे के निर्देश पर पुलिस और एसडीईआरएफ की 6 सदस्यीय टीम मौके पर पहुंची।

रात में रोका बचाव कार्य : टैंकर में इथेनॉल जैसी ज्वलनशील सामग्री भरे होने और चारों ओर अंधेरा था, इसलिए बचाव दल को रात में खाई से बाहर बुला लिया गया ताकि कोई बड़ा हादसा न हो।

सुबह निकाला गया शव : इसके बाद शुक्रवार सुबह रेस्क्यू ऑपरेशन फिर से शुरू किया गया। एसडीईआरएफ की टीम, प्लाटून कमांडर सुनीता पंद्रे के नेतृत्व में खाई में उतरी और मृत चालक का शव बाहर निकाला।

हादसे की जांच कर रही पुलिस : एएसआई रामप्रसाद कीर ने बताया कि मृतक की पहचान रघुनाथ (निवासी महाराष्ट्र) के रूप में हुई है। हादसे के वक्त वह वाहन में अकेला था, जबकि उसका एक सहकर्मी मौके से फरार हो गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भैंसदेही भेजा और परिजनों को सूचना दी। हादसे की जांच की जा रही है।

अनदेखी: मेडिकल वेस्टेज को आहार बना रहे पशु

प्रशासन की अनदेखी पड़ सकती है महंगी

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। जिले वासियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं दिए जाने के लेकर सरकार द्वारा हर संभव प्रयास किया जा रहा है लेकिन प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा व्यवस्थाओं में सुधार को लेकर कोई रूचि नही दिखाई जाती है। जिससे शासकीय चिकित्सलयों की व्यवस्थाएं शासन के मापदंड के अनुसार नही हो पाती और लोगों को बेहतर सुविधाएं देने का वादा सरकार पूरा नही कर पाती है और लोग सरकार को कोसते रहते है। प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही के कारण जिला चिकित्सालय की व्यवस्था सुधरने का नाम नहीं ले रही है। जिला चिकित्सालय मे आए दिन लोगों शासन की सेवाओं के लिये परेशान होते नजर आते है जिसकी शिकायत लोगों द्वारा अनेकों बार की जा चुकी है उसके बाद भी व्यवस्थाओं में कोई व्यापक सुधार नही हो सका और ना ही जिम्मेदार कर्मचारियों की कार्य प्रणाली में कोई अंतर हुआ है ऐसी ही लापरवाही गत दिवस की सामने आई।

मेडिकल वेस्टेज बन रहा पशु आहार

सरकार द्वारा जिले के लोगों को बेहतर सुविधाएं मुहैया कराने को लेकर अनेको प्रयास किये जा रहे है। अस्पताल को साफ स्वच्छ रखने के लिये निजी कंपनी को ठेका दिया। वही अस्पताल से निकलने वाले कचरे को सावधानी पूर्वक भंडारण व नष्ट किये जाने के लिए भी बेहतर प्रबंध किया गया है लेकिन जिम्मेदारों की मिलीभगत के कारण अस्पताल से निकलने वाले कचरे को एक स्थान पर डंप किया जा रहा है वही उसे सुरक्षित नहीं किया जा रहा है। अस्पताल परिषर मे घूमने वाले आवारा पशु मेडिकल वेस्टेज को अपना आहार बना रहे है जबकि शासन द्वारा अस्पताल मे पशुओं को प्रवेश रोकने तथा सुरक्षा व्यवस्था के लिये सुरक्षा गार्ड तैनात किये गये है परन्तु उसका कोई लाभ लोगो को नही मिल रहा है।

फैल सकती है बीमारी

अस्पताल मे आने वाले मरीजों के उपयोग किये गये विविध प्रकार की समाग्री को सुरक्षित स्थान पर सावधानी पूर्वक डंप किया जाना है तथा उक्त मेडिकल वेस्टेज को आवारा पशु व लोगो को पहुंच से दूर रखने के लिये निर्देश भी दिये गय है परन्तु प्रशासन के जिम्मेदारों की अनदेखी के कारण सब खुले मे पड़ा हुआ है जिसे आवारा मवेशी खाते हुये नजर आ रहे है जिससे बीमारी और फैलने के आसर बढ़ रहे है। उक्त समस्या जिला चिकित्सालय मे लंबे समय से बनी हुई हे जिस ओर प्रशासन के जिम्मेदार तथा सफाई कंपनी के ठेकेदार द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है और ना ही कोई ठोस कार्रवाई की जा रही है। जबकि उक्त वेस्टेज को सुरक्षित रूप से नष्ट करने का कार्य संबंधित सफाई ठेकेदार का है।

ठोस कार्रवाई करे प्रशासन

जिला चिकित्सालय मे व्याप्त अनियमितता की जांच कर प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों को ठोस कार्रवाई की जानी चाहिए जिससे ऐसे गंभीर मामलों मे कर्मचारियों द्वारा लापरवाही ना बरती जाए। अस्पताल से निकलने वाले कचरे मे विविध प्रकार की हानिकारक सामग्रियां होती है जिन्हे खाने से पशुओं को भी गंभीर बीमारी तथा अनेकों प्रकार की परेशानी बन सकती है। लेकिन स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार कर्मचारियों के कानों मे जूं तक नहीं रेंग रही है। जो कि गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है। जिसे लेकर आये दिन जिला चिकित्सालय चर्चा मे बना रहता है। फिलहाल अधिकारियों के आश्वासन के बाद समस्या का समाधान होने की संभावना बनी हुई है।

इनका कहना है

उक्त समस्या का शीघ्र निराकरण करने की कार्रवाई जारी है। जल्द ही कचरे को सुरक्षित जगह डंप करने व्यवस्था की जावेगी। उसके लिए कचरा घर का निमार्ण कराया जा रहा है।

डॉ. राजकुमार चौधरी सिविल सर्जन

एनीमिया जागरूकता कार्यक्रम का किया गया आयोजन

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। गत दिवस प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं महिला बाल विकास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय पोषण माह के उपलक्ष्य में व्याख्यानमाला एवं प्रश्नमंच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्राचार्य डा आर बी सिंह ने पोषण आहार पर विचार व्यक्त करते हुये महिला एवं बाल विकास विभाग इस पहल की सराहना की इस अवसर पर राधे श्याम वर्मा द्वारा विद्यार्थियों को पोषण के विषय में विभिन्न प्रकार की जानकारियां प्रदान करते हुये वताया पोषण आहार वह संतुलित भोजन है जो शरीर को आवश्यक ऊर्जा, विकास, और रोग प्रतिरोधक क्षमता प्रदान करता है। इसमें सभी प्रमुख पोषक तत्व काबोर्हाइड्रेट, प्रोटीन, वसा, विटामिन, खनिज और जल सही मात्रा में शामिल होते हैं। इसके पश्चात डा राशि नागवंशी ने विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार की विटामिन प्रोटीन युक्त पदार्थो को भोजन में शामिल करने की सलाह दी महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा प्रश्न मंच में प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले समूहों को पुरस्कृत किया गया एवं सहभागिता करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्रो का वितरण किया गया। कार्यक्रम का मंच संचालन दिनेश अग्रवाल द्वारा एवं आभार डा अमित ताम्रकार द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ आरबी सिंह, राधेश्याम वर्मा आयुष विभाग से डा राशि नागवंशी, डॉ सुभाष नागवंशी, डॉ आर पी आम्रवंशी, डा रीता रावत, श्रीमती बबीता मैडम, राष्ट्रीय सेवा योजना से डॉ अमित ताम्रकार एवं डॉ रानी कुमारी, एवं श्रीमती कल्पना साहू की उपस्थिति रही। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के दलनायक दिनेश अग्रवाल, सहदलनायक विवेक साहू, दलनायिका मनिषा राजपूत बड़ी संख्या में विद्याथीयो ने सहभागिता की।

कांग्रेस ने किया विरोध प्रदर्शन, दी श्रद्धांजलि

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। प्रदेश सरकार स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही से सीरप दवा पीने से छिंदवाड़ा एवं अन्य स्थानों पर बच्चों की दर्दनाक मौत होने पर कांग्रेस के कार्यकताओं पदाधिकारियो ने इंदिरा स्मारक से लेकर सुभाष पार्क तक मोमबत्ती जलाकर विरोध प्रदर्शन किया और प्रदेश सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस मौके पर कांग्रेस के नेताओं ने कहा कि बेहद अफसोस और चिंता का विषय है कि प्रदेश सरकार संवेदनहीन है। पहले सरकार बच्चों की मौत को छुपाने का प्रयास करती रहेगी स्वास्थ्य विभाग दवा कंपनी का बचाव करते रहे । किंतु जब बच्चों की मौत की संख्या बढ़ने लगी और विरोध होने लगा तब सरकार ने जांच के आदेश दिए और मात्र जांच का भी दिखावा किया जा रहा है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि छिंदवाड़ा के सांसद सहित भाजपा के नेताओं प्रदेश सरकार के जवाबदारी मंत्री मुख्यमंत्री बच्चों के परिवार से मिलने नहीं पहुंचे। अब प्रदेश सरकार के जिम्मेदार लोग पहुंचे रहे हैं। कांग्रेस नेताओं ने कहा की पूर्णता यह घोर लापरवाही का नतीजा है। पीड़ित परिवारों की मदद भी नहीं की जा रही और दोषियों पर कार्रवाई करने से सरकार बच रही है।

मेंटल हेल्थ एवं कैरियर काउंसलिंग शिविर का आयोजन

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। गत दिवस शासकीय हाई स्कूल खापा शेढ़ में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं जागरूकता हेतु मेंटल हेल्थ काउंसलिंग तथा करियर काउंसलिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के कक्षा 9 वीं एवं 10 वीं के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सत्र के दौरान मेंटल हेल्थ काउंसलर मनोरमा कश्यप ने विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य के महत्व, तनावमुक्त अध्ययन पद्धति, सकारात्मक सोच, तथा आत्मविश्वास बढ़ाने के उपायों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। उन्होंने विद्यार्थियों को यह भी समझाया कि परीक्षा के समय मानसिक संतुलन बनाए रखने और नियमित दिनचर्या अपनाना सफलता की कुंजी है। इसके पश्चात करियर काउंसलर रूबी साहू द्वारा विद्यार्थियों को विभिन्न करियर विकल्पों के बारे में मार्गदर्शन प्रदान किया गया। उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी रुचि, योग्यता और भविष्य की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए करियर चयन करने की सलाह दी। साथ ही उन्होंने विज्ञान, वाणिज्य, कला एवं व्यावसायिक क्षेत्रों में उपलब्ध अवसरों पर भी विस्तृत जानकारी दी। विद्यार्थियों ने सत्र के दौरान अनेक प्रश्न पूछे, जिनका विशेषज्ञों ने धैर्यपूर्वक उत्तर दिया। विद्यार्थियों ने बताया कि यह सत्र उनके लिए अत्यंत उपयोगी एवं प्रेरणादायक रहा। कार्यक्रम में विद्यालय स्टॉफ शिक्षक कुबेर पटेल, भूपेंद्र पटेल आशीष विश्वकर्मा, ओंकार गोस्वामी, प्रीति धुर्वे, गेंदालाल काछी का सहयोग प्राप्त हुआ।

हत्या के आरोपी को आजीवन कारावास

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। न्यायालय विशेष न्यायाधीश एससी / एसटी एक्ट अमित रंजन समाधिया के न्यायालय द्वारा हत्या के आरोप में दोषसिद्ध पाये जाने पर आरोपी सेवाराम नौरिया निवासी ग्राम रहिली थाना सुआतला हाल पता बीकोर थाना सुआतला चौकी बरमान उम्र 58 साल को भारतीय दंड विधान की धारा 302 के तहत आजीवन कारावास एवं 1000 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया गया है।

सरस्वती विद्यालय में अभिभावक गोष्ठी सम्पन्न

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। सरस्वती शिशु उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अभिभावक गोष्ठी का आयोजन किया गया। विद्यालय प्रबंध समिति की अनुशंसा से आयोजित उक्त गोष्ठी में कक्षा अरुण से द्वादश तक के अभिभावक गण ने कक्षा-कक्षों में पहुंचकर कक्षाचार्य के माध्यम से त्रैमासिक परीक्षा परिणाम प्राप्त किया तथा शैक्षणिक व अन्य गतिविधियों से अवगत हुए। संस्था प्राचार्य आनंद मोहन कुर्मी प्रधानाचार्य तुलसीराम पाराशर, राजेन्द्र पटैल के मार्गदर्शन में आयोजित गोष्ठी में अभिभावक गण ने उपयोगी सुझाव व समस्याओं से अवगत कराया। उक्त गोष्ठी में 70 प्रतिशत अभिभावकों ने उपस्थिति दी।

कार्यक्रम स्थल व तैयारियों का निरीक्षण किया

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। महामहिम राज्यपाल मंगू भाई पटेल का 12 अक्टूबर 2025 दिन रविवार को ग्राम देवरीकलां जिला नरसिंहपुर में कार्यक्रम प्रस्तावित है। जिला पंचायत सीईओ गजेन्द्र सिंह नागेश ने गुरुवार को उक्त कार्यक्रम के सफल संपादन के लिए नोडल अधिकारियों सहित कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि उन्हें सौंपे गए दायित्वों का पूर्ण रूप से पालन करना सुनिश्चित करें। इस अवसर पर एसडीएम मणिन्द्र सिंह पटेल, कृषि उप संचालक मोरिस नाथ सहित विभागीय अधिकारी मौजूद थे। जिला पंचायत सीईओ श्री नागेश ने कार्यक्रम स्थल पर निर्धारित मापदंड अनुसार मंच का निर्माण, बैठक व्यवस्था, चिकित्सा व्यवस्था, हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण, साफ- सफाई व्यवस्था, विद्युत सप्लाई व्यवस्था, प्रदर्शनी, पार्किंग व्यवस्था पेयजल व्यवस्था, इत्यादि के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने सभी नोडल अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यक्रम स्थल पर तैनात रहकर अपनी तैयारियां पूर्ण करें। कार्यक्रम स्थल का नियमित रूप से निरीक्षण करें, जिससे आयोजित कार्यक्रम की तैयारियां समय पर पूर्ण हो सके।

173 लंबित प्रकरणों का कराया निराकरण

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। सर्वोच्च न्यायालय तथा मीडिएशन एवं कंसिलिएशन प्रोजेक्ट कमेटी नई दिल्ली के आदेशानुसार एवं न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा, मुख्य न्यायाधिपति मप्र उच्च न्यायालय तथा न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन, कार्यपालक अध्यक्ष मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निदेर्शानुसार एवं अखिलेश शुक्ला प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जिला नरसिंहपुर एवं तहसील गाडरवारा, गोटेगांव व तेंदूखेडा के समस्त सिविल न्यायालयों में राजीनामा योग्य एवं शमनीय 173 लंबित प्रकरणों को मीडिएशन फार द नेशन अभियान के अधीन 01 जुलाई से 30 सितम्बर 2025 के मध्य निराकृत किया गया। जिसमें वैवाहिक प्रकृति के 19 प्रकरण मोटर दुर्घटना दावा के 02 प्रकरण घरेलू हिंसा के 02 प्रकरण चैक बाउंस के 69 प्रकरण आपराधिक प्रकृति के 61 प्रकरण विभाजन मामलों का 01 प्रकरण एवं अन्य सिविल प्रकृति के 19 प्रकरणों को श्रेणीवार निराकरण हुआ। महत्वपूर्ण है कि मध्यप्रदेश में उक्त 90 दिवसीय अभियान के अधीन तहसील स्तर के न्यायालयों से लेकर उच्च न्यायालय स्तर तक मध्यस्थता हेतु योग्य प्रकरणों को चिन्हित किया जाकर सक्षम एवं प्रशिक्षित मध्यस्थों को मध्यस्थता हेतु प्रकरण प्रेषित किए गए और संबंधित पक्षकारों को मध्यस्थता हेतु सूचना प्रदान की जाकर पक्षकारों की सहमति से प्रकरणों के निराकरण का प्रयास किया गया जिसमें प्रशिक्षित मध्यस्थों के अतिरिक्त न्यायाधीशगण, अधिवक्तागण एवं पक्षकारों का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ।

नए अपडेट और डिजाइन के साथ महिन्द्रा बोलेरो लांच

नई दिल्ली। महिंद्रा ने अपनी पॉपुलर रवश बोलेरो का अपडेट मॉडल भारत में लांच किया है। कंपनी ने इस रवश में कई अहम बदलाव किए हैं। महिंद्रा की इस नई रवश की कीमत 7.99 लाख रुपए से शुरू होती है। नई बोलेरो अब भी अपने पारंपरिक बॉक्सी शेप में बनी हुई है, लेकिन इसे नए फ्रंट फेशिया, अपडेटेड बंपर और हेडलैम्प्स के साथ-साथ ग्रिल के चारों ओर डिजाइन डिटेलिंग दी गई है। बंपर को भी री डिजाइन किया गया है, जिसमें इंटीग्रेटेड फॉग लैंप्स दिए गए हैं। वहीं, नई बोलेरो में 15 इंच ड्यूल टोन अलॉय व्हील्स मिलते हैं। कलर ऑप्शन्स की बात करें तो इसमें SteÔlth BlÔck शेड शामिल किया गया है, जो पहले से मौजूद तीन कलर के साथ आता है। खास बात यह है कि बोलेरो अब पहली बार इ8 वेरिएंट में भी उपलब्ध है। इस वेरिएंट में टचस्क्रीन इंफोटेमेंट सिस्टम, स्टीयरिंग-माउंटेड कंट्रोल्स, नई लेदरेट सीट्स, टाइप-उ चार्जिंक पोर्ट और डोर पैनल्स पर बॉटल होल्डर जैसे फीचर्स दिए गए हैं। इसके सभी वेरिएंट में ड्यूल एयरबैग्स ही दिए गए हैं। नई बोलेरो को चार ट्रिम्स बी 4, बी 6, बी 6 (ड) और बी 8 में लांच किया गया है। सीटिंग क्षमता की बात करें तो नई महिंद्रा बोलेरो में 7 सीटें (5+2 कॉनफिगरेशन) हैं। वहीं कीमत की बात करें तो बी 4 की शुरूआती कीमत 7.99 लाख रुपए, बी 6 की शुरूआती कीमत 8.69 लाख रुपए, बी 6 की शुरूआती कीमत 9.09 लाख रुपए और इ8 की शुरूआती कीमत 9.96 लाख रुपए है।

कैसा है इंजन?

इंजन की बात करें तो नई बोलेरो में वही 1.5 लीटर का भरोसेमंद mHawk75 डीजल इंजन मिलता है जो 75बीएचपी की पावर और 210ठे टॉर्क जनरेट करता है। इसमें 5-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स दिया गया है जो रियर व्हील्स को पावर सप्लाई करता है। कंपनी का दावा है कि इस अपडेट के साथ राइड और हैंडलिंग बैलेंस को बेहतर किया गया है।

बुकिंग शुरू

बता दें कि नई महिंद्रा बोलेरो 2025 की बुकिंग्स शुरू हो चुकी हैं और इसकी डिलिवरी जल्द ही देशभर में शुरू की जाएगी। अपडेटेड डिजाइन और प्रैक्टिकल फीचर्स के साथ यह एसयूवी अब पहले से ज्यादा आकर्षक और वैल्यू-फॉर-मनी साबित होती है।

साउथ अफ्रीका ने रोका भारत का विजय रथ, नादिन डी क्लार्क ने पलटा पासा

विशाखापट्टनम। भारतीय टीम को महिला वनडे वर्ल्ड कप 2025 में पहली हार झेलनी पड़ी। गुरुवार को साउथ अफ्रीका ने भारत को तीन विकेट से हराया। गुरुवार को साउथ अफ्रीका ने 252 रन का टारगेट 48.5 ओवर में सात विकेट खोकर चेज कर लिया। नदीन डी क्लर्क 84 रन बनाकर नाबाद लौटीं। उन्होंने क्लो ट्राईऑन के साथ 60 गेंदों पर 69 रन की साझेदारी की। इससे पहले भारतीय टीम पहेल बल्लेबाजी करते हुए 49.5 ओवर में 251 रन के स्कोर पर ऑलआउट हो गई। एक समय भारत के छह विकेट 102 रन पर गिर गए थे। इसके बाद ऋचा घोष ने 77 गेंदों पर 94 रन की पारी खेलकर टीम को संभाला। भारतीय महिला टीम की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे विश्व कप मुकाबले के दौरान एक बड़ी उपलब्धि हासिल की। स्मृति मंधाना एक कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज बन गई हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया महिला टीम की पूर्व क्रिकेटर बेलिंडा क्लार्क का 28 साल पुराना रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिया है। गुरुवार को अफ्रीका के खिलाफ मंधाना का बल्ला नहीं चला। वह 32 गेंद में 23 रन बनाकर आउट हुईं। बेलिंडा ने 1997 में 970 रन बनाए थे, जबकि स्मृति मंधाना 980 से ज्यादा रन बना चुकी हैं।

10 दुकानदारों के पास भी नहीं है कमर्शियल कनेक्शन

होटल-ढाबा, चाय-नाश्ते की दुकानों में घरेलू गैस का बेधड़क उपयोग

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। होटल-ढाबा, गुमटी, चाय-नाश्ते की दुकानों में घरेलू गैस सिलेंडरों का बेधड़क उपयोग हो रहा है और उसे रोकने वाला कोई नहीं है। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में 10 से 15 प्रतिशत दुकानदारों के पास ही कमर्शियल कनेक्शन हैं, बाकी घरेलू लाल सिलेंडर का उपयोग ही कर रहे हैं। व्यवसायिक गैस की कीमत अधिक होने से दुकानदार रूपए बचाने के चक्कर में घरेलू गैस चला रहा है। बड़ी-बड़ी होटल के संचालकों ने कमर्शियल कनेक्शन लेकर रखा हुआ है, लेकिन उसकी खपत न के बराबर करते हैं, कमर्शियल कनेक्शन सिर्फ इसलिए लेकर रखा है, ताकि कभी कोई जांच हो गई तो सिलेंडर दिखाने के लिए रहे। बरगी से लेकर पनागर और सिहोरा तक नेशनल हाईवे में बने ढाबा में घरेलू सिलेंडर का उपयोग हो रहा है। ढाबा वाले भी सिर्फ रोटी के लिए तंदूर का उपयोग कर रहे हैं, बाकी सब घरेलू सिलेण्डर से ही पका रहे हैं। शासन द्वारा भले ही व्यापारिक प्रतिष्ठानों के लिए एलपीजी का बड़ा नीला सिलेंडर दुकानों के उपयोग के लिए किया जाता है, लेकिन जिले की अधिकांश होटल और दुकानों पर खुलेआम एलपीजी गैस का घरेलू लाल सिलेंडर का उपयोग किया जा रहा है। इतना ही नहीं होटल और दुकानों पर जो गैस सिलेंडर लगाकर उपयोग किया जा रहा है, उसकी सुरक्षा की दृष्टि से भी कोई इंतजाम नहीं है। जिससे कभी भी कोई बड़ा हादसा भी हो सकता है, लेकिन यहां के जिम्मेदार अधिकारी कर्मचारी आंखों से सब कुछ देखने के बाद भी मौन होकर बैठे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि अधिकारी कर्मचारी की लापरवाही से खुलेआम शासन के नियमों को दरकिनार कर घरेलू गैस का उपयोग होटल, गुमटी और रेस्टोरेंट के साथ ही कारों में उपयोग किया जा रहा है।

घरेलू गैस की कालाबाजारी

होटल और ढाबों में घरेलू गैस सिलेंडरों का उपयोग करना अवैध है और इसके लिए आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा सकती है, क्योंकि यह नियम के विरुद्ध है और इससे आम ग्राहकों को भी परेशानी होती है। व्यावसायिक गैस सिलेंडर घरेलू गैस सिलेंडर से महंगे होते हैं, जिससे व्यापारी इनका उपयोग करते हैं और घरेलू गैस की कालाबाजारी भी होती है।

कानूनी प्रावधान और नियम

बताया जाता है कि घरेलू उपयोग के लिए सरकार द्वारा सब्सीडी वाला 14.2 किलो का गैस सिलेंडर मिलता है, जबकि व्यावसायिक उपयोग के लिए 19 किलो का कमर्शियल सिलेंडर होता है। होटल, चाय-नाश्त की दुकान और ढाबों में घरेलू गैस सिलेंडर का उपयोग करना आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत गलत है और इसके लिए दंड का प्रावधान है। जिम्मेदार अधिकारियों की उदासीनता के कारण ऐसे कार्य धड़ल्ले से चल रहे हैं।

नियम उल्लंघन के कारण

प्रशासनिक और खाद्य विभाग के अधिकारी अक्सर होटलों और ढाबों की जांच नहीं करते, जिससे नियम तोडने वालों का हौसला बढ़ता है। अवैध रूप से घरेलू गैस का उपयोग करने वाले, एलपीजी वितरकों और उपभोक्ताओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

फटाका भंडारण, विक्रय में नहीं चलेगी मनमानी

दीपावली के लिए कार्यपालिक मजिस्ट्रेटों की जिम्मेदारी तय

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। दीपावली पर्व के दौरान जिले में कानून एवं व्यवस्था बनाये रखने जिले में पदस्थ सभी अनुविभागीय दंडाधिकारियों एवं कार्यपालिक मजिस्ट्रेटों को जिम्मेदार बनाया गया है। इस बारे में अपर जिला दंडाधिकारी नाथूराम गोंड द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि सभी अनुविभागीय दंडाधिकारी एवं कार्यपालिक मजिस्ट्रेट अपनेअ पने क्षेत्र में पुलिस अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर कानून व्यवस्था बनाए रखेंगे। आदेश में अनुविभागीय दंडाधिकारियों एवं कार्यपालिक मजिस्ट्रेटों को अपने क्षेत्र के सभी फटाका भंडारण एवं विक्रय स?थलों का निरीक्षण कर यह सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिये गये हैं कि आपदा की स्थिति में इन स्थानों पर अग्निशमन यंत्र, पानी के टेंकर और बाल्टियों में रेत आदि मौके पर उपलब्ध रहें। उन्हें यह सुनिश्चित करने की हिदायत भी दी गई है कि फटाका विक्रय स्थलों पर प्रत्येक दुकान टीनशेड युक्त हों और दुकानों के बची आमने-सामने पर्याप्त अंतर रहे, फटाका दुकानें बिजली के तार के नीचे न लगाई जाये, फटाका दुकानों में अस्थाई बिजली कनेक्शन के तार खुले न हों, फटाका दुकाने बस्ती या बसाहट और स्कूलों के आस-पास न हों तथा लायसेंस पर चिन्हित स्थल पर ही फटाका दुकान लगाई जाए। आदेश में अनुविभागीय दंडाधिकारियों एवं कार्यपालिक मजिस्ट्रेटों को ऐसी फटाका दुकानों को तत्काल हटाकर उनके विरूद्ध दंडात्मक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये हैं, जिनकी अनुमति जारी नहीं की गई है। आदेश में नगर निगम आयुक्त को फटाका भंडारण एवं विक्रय स्थलों पर पानी के टेंकर एवं फायर ब्रिगेड उपलब्ध कराने कहा गया है तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ अधिकारी को दीपावली पर्व के दौरान आपातकालीन चिकित्सा सेवा एवं एंबुलेंस की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

पुरानी पेंशन मांग कर्मचारियों ने छोड़े गुब्बारे

आयुध निर्माणियों में हुआ जोरदार आंदोलन

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। आयुध निर्माणियों में पुरानी पेंशन की बहाली व निगमीकरण को रद्द किए जाने की मांग को लेकर आंदोलन तेज होते जा रहे हैं। शुक्रवार को ऑल इंडिया एनपीएस एम्पलाइज फेडरेशन के तत्वाधान में हजारों केंद्रीय कर्मचारियों ने आसमान में गुब्बारे छोड़कर पुरानी पेंशन की मांग की। ऑल इंडिया एनपीएस एम्पलाइज फेडरेशन के अध्यक्ष मंजीत सिंह पटेल के आव्हान पर जबलपुर के सभी केंद्रीय कर्मचारियों ने सतपुला पर गुब्बारे छोड़कर रोष जाते हुए प्रधानमंत्री तक अपना संदेश पहुंचा। जिसमें सभी कर्मचारियों के मुख्य रूप से डिमांड थी एनपीएस यूपीएस को स्क्रैप कर पुरानी पेंशन बहाल किया जाए। इसके अलावा आठवें पे कमीशन का गठन जल्द से जल्द किया जाए और आयुध निर्माणियों का निगमीकारण रद्द किया जाए। प्रदर्शन के दौरान बताया गया कि एफेडरेशन के मुख्य संयोजक राकेश राय 7 अक्टूबर को केंद्रीय मीटिंग दिल्ली में शामिल हुए थे और पेंशन सेक्रेटरी वी श्रीनिवाश के सामने एनपीएस और यूपीएस की खामियों को रखा। उन्होंने आश्वासन दिया कि आने वाले समय में यूपीएस में सुधार किया जाएगा या यूपीएस स्क्रैप किया जाएगा। यदि सरकार यूपीएस का सुधार कर हुबहू पुरानी पेंशन जैसी नहीं बना देती है। तब तक यह संघर्ष जारी रहेगा और आने वाले 9 नवंबर को सभी केंद्रीय व राज्य सरकार के कर्मचारी दिल्ली जंतर-मंतर पर धरना प्रदर्शन करेंगे। प्रदर्शन में फेडरेशन के कन्वेनर मनीष पाण्डे, मुख्य संयोजक राकेश राय, संयोजक मुकेश कुमार, सह संयोजक संतोष शर्मा आदि उपस्थित थे।

श्री वनमाली सप्रे स्मृति शास्त्रीय संगीत महोत्सव आज शहीद स्मारक भवन, गोलबाजार में

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। आज शनिवार 11 अक्टूबर 2025 को सायं 06:30 बजे से स्थानीय शहीद स्मारक भवन, गोलबाजार में द्वितीय वर्ष वनमाली सप्रे स्मृति महोत्सव का आयोजन किया गया है. यह कार्यक्रम पूर्णतः निःशुल्क है। आयोजक उनके पुत्र प्रोफेसर अखिलेश सप्रे ने बताया कि शास्त्रीय संगीत के संवर्धन, उन्नयन एवं जागरूकता की दृष्टि से इस कार्यक्रम का आयोजन आर्ट हब संस्था के सहयोग से किया गया है. कार्यक्रम में इस वर्ष भारत के विख्यात कलाकार अयान सेनगुप्ता (कोलकाता) सितार वादक, मास्टर प्रद्युम्न करपूर (बंगलोर) तबला वादक, अजिंक्य जोशी (पुणे) तबला वादक एवं आकार श्रुती (पुणे) हार्मोनियम वादक पधार रहे है। कार्यक्रम में सभी संगीत प्रेमी श्रोताओ से उपस्थित होने का एवं सफल बनाने का आग्रह आयोजक प्रोफेसर अखिलेश सप्रे द्वारा किया गया है। वनमाली सप्रे का पूरा परिवार जबलपुर में शास्त्रीय संगीत को बढ़ावा देने के लिए कृतसंकल्प है एवं इसी तारतम्य में उनके पिताजी की स्मृति में यह कार्यक्रम प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है। उनकी पत्नी श्रीमती पद्मजा सप्रे, एवं मित्र मंडली सदानंद गोडबोले (पूर्व महापौर), आदित्य सप्रे, आलोक सप्रे, संजय सोनी का इसमें सहयोग रहता है। कार्यक्रम पूर्णतः निःशुल्क किया जाता है। अतः संगीत प्रेमियों से अपील है कि कार्यक्रम में अधिक से अधिक संस्कारधानी के लोग सपरिवार पधारकर शास्त्रीय संगीत का आनंद उठायें।

बीकानेर के रसगुल्ला-बर्फी और पेड़ा की होगी जांच

दीपावली पर्व के पहले खाद्य विभाग हुआ सक्रिय

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। दीपावली त्योहार के मद्देनजर खाद्य विभाग की खाद्यान प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई लगातार जारी है। इसी तारतम्य में आज बिलहरी स्थित श्री बालाजी बीकानेर मिष्ठान भंडार से रसगुल्ला तथा मावा बर्फी, संजीवनीनगर स्थित पटेल स्वीट्स से खोवा पेड़ा तथा कलाकंद, शाहपुरा स्थित आदिनाथ एजेंसी से नमकीन, इंडस्ट्रियल एरिया रिछाई स्थित महावीर फूड प्रोडक्टस से खोवा बर्फी तथा नमकीन, अनमोल नमकीन (शुभ इंडस्ट्रीज) से नमकीन तथा उपयोग किये जा रहे सोयाबीन तेल तथा इंडस्ट्रियल एरिया अधारताल से पापुलर ब्रेड एण्ड फूड फैक्ट्री से ब्रेड तथा टोस्ट के नमूने लिये गये। निरीक्षण के दौरान खाद्य कारोबार कताओं को निर्माण केन्द्रों में स्वच्छता बनाये रखने के निर्देश तथा समझाइश दी जा रही है जिससे स्वच्छ परिस्थितियों में बनी मिठाइयां तथा नमकीन उपभोक्ताओं को उपलब्ध हो सके। कलेक्टर जबलपुर राघवेन्द्र सिह के द्वारा दीपावली पर्व के अवसर पर अधिक मात्रा में विकय हेतु निर्मित मिठाइयों तथा नमकीन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु निरंतर निरीक्षण तथा नमूना संग्रहण के निर्देश खाद्य सुरक्षा प्रशासन को दिये गये हैं। निर्देश के पालन में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा जिले में मिष्ठान्न तथा नमकीन निर्माण / विकय संस्थानों का निरीक्षण किया जा रहा है। अभिहित अधिकारी डॉ संजय मिश्रा के निदेर्शानुसार लिये गये नमूनों को जांच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, भोपाल प्रेषित किया गया है।

महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री भूरिया ने पोषण अभियान को लेकर किया संवाद

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने 09 अक्टूबर से 10 अक्टूबर 2025 को जबलपुर प्रवास के दौरान बाल देखरेख संस्थानों के केयर लीवर्स से चर्चा की। शासकीय बाल गृह /संप्रेक्षण ग्रह जबलपुर का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए तथा महिला एवं बाल विकास जबलपुर के विभागीय अमले के साथ समीक्षा बैठक का आयोजन

कर योजनाओं के सतत क्रियान्वयन के निर्देश दिए। उन्होंने पोषण अभियान के संबंध में संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिये। इसके पूर्व जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास ने जागृति बाल गृह में आयोजित संवाद के दौरान प्रेजेन्टेशन के माध्यम से विस्तृत जानकारी दी। संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास ने भी संभाग में चल रही विभागीय गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर मंत्री सुश्री भूरिया ने पोषण अभियान पुस्तिका का विमोचन कर जागृति सेन्टर बाल ग्रह का निरीक्षण कर परिसर में पौधारोपण भी किया। कार्यक्रम के दौरान संभागीय महिला एवं बाल विकास अधिकारी श्रीमती उषा सोलंकी, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्री सौरभ सिंह सहित सभी विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

संभागीय पेंशन कार्यालय की ऐतिहासिक प्रगति, 1646 पेंशन प्रकरणों का निराकरण कर

पेंशन भोगियों को दी बड़ी राहत

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। संभागीय पेंशन कार्यालय, जबलपुर, सेवानिवृत्त शासकीय सेवकों को समयबद्ध एवं सम्मानजनक रूप से पेंशन लाभ प्रदान करने के अपने संकल्प पर दृढ़ता से कार्य कर रहा है। इसी क्रम में, संभागीय आयुक्त के निरंतर मार्गदर्शन में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत जून से अक्टूबर 2025 के मध्य 1646 लंबित पेंशन प्रकरणों का सफलतापूर्वक निराकरण कर एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की गई है।

उच्च स्तरीय निगरानी और प्रभावी रणनीति

यह उल्लेखनीय है कि स्वयं संभागीय आयुक्त द्वारा लंबित प्रकरणों की साप्ताहिक समीक्षा की जा रही है। उनके निदेर्शों के अनुपालन में, विभाग ने एक प्रभावी रणनीति अपनाते हुए 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025 तक विशेष "पेंशन सम्मान शिविर" का आयोजन किया। इस शिविर का उद्देश्य पेंशनभोगियों की समस्याओं को समझना और विभागीय प्रक्रियाओं को सरल बनाकर तत्काल समाधान प्रदान करना था। शिविर के दौरान ही 72 जटिल प्रकरणों का निराकरण किया गया, जिनमें से कई मामले वर्षों से लंबित थे।

पेंशनभोगियों को मिला सीधा लाभ

इस शिविर की सफलता का प्रत्यक्ष प्रमाण सिवनी जिले के उन प्रकरणों के निराकरण से मिलता है, जिनमें किशोरी लाल रैकवार (2020), रत्नलाल अग्रवाल (2022), और मंसूद अहमद अंसारी (2023) जैसे कई सेवानिवृत्त कर्मचारियों के मामले शामिल हैं। संभागीय पेंशन अधिकारी, अजय सिंह ठाकुर ने बताया, "हमारा लक्ष्य केवल आंकड़ों को पूरा करना नहीं, बल्कि हर एक पेंशनभोगी तक सम्मान के साथ उनका हक पहुँचाना है। संभागीय कार्यालय द्वारा अब तक सर्वाधिक 488 पेंशन प्राधिकार पत्र जारी किए जा चुके हैं, ताकि पेंशनभोगियों को जल्द से जल्द वित्तीय लाभ मिलना सुनिश्चित हो सके।" विभाग "शून्य लंबितता" के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है और सभी अधिकारियों को पेंशनरों से निरंतर संपर्क में रहने के निर्देश दिए गए हैं।

म.प्र. राज्य अधिवक्ता परिषद के आगामी चुनाव वर्ष 2026 में सदस्य पद हेतु आपकी
प्रथम वरीयता मत का आकांक्षी
गोपाल सिंह बघेल (अधिवक्ता)

म.प्र. उच्चन्यायालय जबलपुर (म.प्र.)
पता - हॉल नं 3 सीट नं 7 विधि भवन, म.प्र. उच्चन्यायालय जबलपुर (म.प्र.)
कार्यालय-निवास
कृष्णा कॉलोनी के पास राज परिसर सुहागी, जबलपुर (म.प्र.)
Mob.: 9229653295, 8989141208, 7987512717

ओम होम हैल्थ केयर सर्विस
हमारे पास अशक्त बुजुर्ग मरीजों की देखभाल हेतु नर्स, वार्ड वॉय, आया बाई, फिजियोथैरेपी और दवाईयाँ घर पर उपलब्ध कराए जाते हैं।
प्रो. जितेन्द्र पटैल
CERVIC - 24X7 Hourse
मो. 9340721556, 9753518166
पता-केनरा बैंक महाराष्ट्र हॉई स्कूल गोल बाजार जबलपुर (म.प्र.)

Manufacturer of t-shirts & lowers Mo. 9174614421, 9406763810
CHANDRAKALA TEXTILES

सभी प्रकार की टी-शर्ट ऑर्डर पर बनाई और प्रिंट की जाती हैं और स्पोर्ट्स सबलिमेसन जर्सी बनाई जाती हैं।
Address : shop no 151, jabalpur fashion design cluster market Lema garden Gohalpur jabalpur 482001

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, मुकेश कुमार श्रीवास द्वारा माँ रेवा पब्लिकेशन एन्ड प्रिंटर्स लक्ष्मीपुर मुस्कान प्लाजा के पीछे विवेकानंद वार्ड एम आर 4 रोड़ जबलपुर म.प्र. 482001 से मुद्रित तथा लक्ष्मीपुर मुस्कान प्लाजा के पीछे एम आर 4 रोड 21 स्वामी विवेकानंद वार्ड जबलपुर म.प्र. 482001 से प्रकाशित । संपादकः अतुल कुमार बंदेवार RNI. Reg. No MPHIN/2023/90965 (समस्त विवादों का न्यायालयीन क्षेत्र जबलपुर) Email:- revanchaljabalpur@gmail.com मोब. 7509202320, 9406771592